राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 23 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-184 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत आज भी अंतरिक्ष से सारे जहां से अच्छा दिखता है : शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने एक्सिओम-4 मिशन पर भारत सरकार, इसरो और अपने साथियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने गुरुवार को कहा कि भारत आज भी अंतरिक्ष से सबसे अच्छा दिखता है। वहीं प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसरो के चेयरमैन वी. नारायणन ने पिछले 10 सालों में हुई प्रगति और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में विकास हुआ है। साथ ही, उन्होंने नासा-इसरो के सहयोग और प्राइवेट कंपनियों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने बताया कि वे फाल्कॉन 9 व्हीकल के ऊपर उड़ान भर रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैं भारत सरकार, इसरो और अपने सहयोगियों को धन्यवाद देना चाहता हूं... हम फाल्कॉन 9 व्हीकल के ऊपर उड़ रहे थे... क्रू ड्रैगन उन तीन वाहनों में से एक है जो इंसानों को अंतरिक्ष में ले जा सकते हैं... इस मिशन में मेरी भूमिका मिशन पायलट की थी। क्रू ड्रैगन में चार सीटें हैं। मैं मिशन पायलट था और मुझे कमांडर के साथ काम करना था और क्रू ड्रैगन के सिस्टम के साथ बातचीत करनी थी। हमें उन प्रयोगों को करना था जो भारतीय शोधकर्ताओं ने बताए थे। एसटीईएम प्रदर्शन, तस्वीरें और वीडियोग्राफ भी कैप्चर करने थे।'

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) के चेयरमैन वी. नारायणन ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के आने के बाद दक्षिण एशियाई देशों के लिए सैटेलाइट बनाई गई। उन्होंने कहा, '...पीएम मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद, दक्षिण एशियाई सैटेलाइट का निर्माण, लॉन्च और दक्षिण एशियाई देशों को दान कर दिया गया। उनके नेतृत्व में, हमने जी20 देशों के लिए जी20 सैटेलाइट भी बनाया है... 10 साल पहले, अंतरिक्ष क्षेत्र में हमारे पास केवल एक स्टार्टअप कंपनी थी। आज, अंतरिक्ष उद्योग में हमारे पास 300 से अधिक स्टार्टअप हैं...।'

वी. नारायणन ने जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, '...जीएसएलवी-मk16 रॉकेट ने 30 जुलाई को सबसे प्रतिष्ठित नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार को पूरी तरह से स्थापित किया। यह जेपीएल नासा और इसरो द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया गया एक सैटेलाइट है। आज, सैटेलाइट पूरी तरह से सही है। अगले 2-3 महीनों में, हम अमेरिका के 6500 किलोग्राम के कम्युनिकेशन सैटेलाइट को लॉन्च करेंगे, जिसे हमारे लॉन्च व्हीकल का उपयोग करके लॉन्च किया जाएगा।'

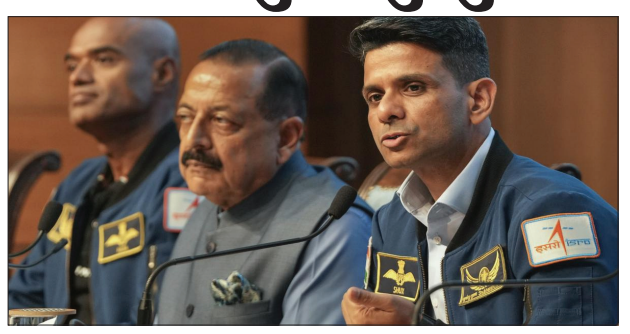

वी. नारायणन ने पिछले 10 सालों में हुई तरक्की के बारे में बताते हुए कहा, '...पिछले 10 वर्षों में, प्रगति अभूतपूर्व और तेजी से हुई है। 2015 से 2025 तक पूरे किए गए मिशन 2005 से 2015 के लगभग दोगुने हैं। पिछले 6 महीनों के दौरान, तीन महत्वपूर्ण मिशन पूरे किए गए हैं। आक्सियोम-4 मिशन एक प्रतिष्ठित मिशन है। पहले भारतीय को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन ले जाया गया और सुरक्षित रूप से वापस लाया गया।

योगी के जनता दरबार में जहर खाकर पहुंचा बुजुर्ग

-बीजेपी विधायक पर लगाए गंभीर आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर आयोजित जनता दरबार में एक बुजुर्ग व्यक्ति ने जहर खा लिया। गाजियाबाद के लोनी निवासी 65 वर्षीय सतवीर गुर्जर ने बीजेपी विधायक नंद किशोर गुर्जर के खिलाफ गंभीर आरोप लगाकर मुख्यमंत्री योगी से सुरक्षा की गुहार लगाई है। घटना के तुरंत बाद सतवीर गुर्जर को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत स्थिर बताई है। डॉक्टरों के अनुसार, उन्हें 48 घंटे तक निगरानी में रखा जाएगा। गुर्जर ने यह कदम क्यों उठाया, इस बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। लखनऊ पुलिस की ओर से जारी बयान के मुताबिक, यह घटना सुबह करीब आठ बजकर 50 मिनट पर हुई। बयान में कहा गया है कि गुर्जर (65) नामक व्यक्ति 'जनता दरबार' में पहुंचा। गुर्जर ने वहां मौजूद लोगों को बताया कि मैंने जहर खा लिया है। बयान के अनुसार, यह पता चलने के बाद वहां मौजूद अधिकारियों व सुरक्षाकर्मियों ने बुजुर्ग को एम्बुलेंस से सिविल अस्पताल पहुंचाया।

पहली इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अपनी पहली इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण कर लिया है। ओडिशा के चांदीपुर में इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज में बुधवार को इसकी टेस्टिंग हुई। यह मल्टिपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल टेक्नोलॉजी से लैस है। यानी इसे एक साथ कई टारगेट्स पर लॉन्च किया जा सकता है। इसका पहला परीक्षण अप्रैल 2012 में हुआ था। अग्नि-5 की रेंज 5000 किमी है। ऐसे में यह मिसाइल पाकिस्तान, चीन, तुर्किये जैसे कई देशों तक मार करने की क्षमता रखती है। मिसाइल 7500 किलोग्राम के बंकर बस्टर वॉरहेड ले जाने और जमीन में 100 मीटर की गहराई तक जाकर दुश्मनों के न्यूक्लियर सिस्टम, रडार सिस्टम, कंट्रोल सेंटर, हथियार स्टोरेज को तबाह कर सकेगी।

पीएम मोदी 25 अगस्त से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर, अहमदाबाद में 1449 आवासों करेंगे लोकार्पण

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 और 26 अगस्त को गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान वे पूर्वी अहमदाबाद के निकोल इलाके से 133.42 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 1449 आवासों और 130 दुकानों का लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत कार्यान्वित इस परियोजना से झुग्गियों में रहने वाले परिवारों को आधुनिक सुविधाओं युक्त उनका सपनों का घर मिलेगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में गुजरात में प्रधानमंत्री आवास योजना लाखों लोगों के जीवन में आशा की एक नई किरण लेकर आई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के इन-सीटू स्लम रिडेवलपमेंट घटक के तहत गुजरात सरकार के शहरी विकास और शहरी गृह निर्माण विभाग की स्लम रिहैबिलिटेशन और रिडेवलपमेंट पॉलिसी-2013 के अंतर्गत अहमदाबाद शहर के पश्चिम जोन के सरदार पटेल स्टेडियम वार्ड में स्थित रामापीरना टेकरा के नाम से पहचाने जाने वाले स्लम के सेक्टर-3 में 133.42 करोड़ रुपए के खर्च से निर्मित कुल 1449 आवासों और 130 दुकानों के पुनर्वास कार्य का लोकार्पण होगा।

आवारा कुत्तों से जुड़ी एक नई अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट का जल्द सुनवाई से इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में आवारा कुत्तों से जुड़ी एक नई अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई करने से मना कियास है। यह अर्जी एमसीडी (दिल्ली नगर निगम) द्वारा आवारा कुत्तों को सड़कों से हटाने और शेल्टर होम में रखने के लिए जारी किए नोटिफिकेशन के खिलाफ दायर की गई थी। याचिकाकर्ता के वकील ने सुप्रीम कोर्ट से तुरंत सुनवाई की मांग की। उन्होंने दलील दी कि एमसीडी का यह नोटिफिकेशन सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले से पहले ही जारी किया गया है, जो न्यायिक प्रक्रिया का उल्लंघन है। वकील का कहना था कि सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच को अभी यह तय करना है कि आवारा कुत्तों को शेल्टर में रखने का दो जजों की बेंच का पुराना आदेश सही है या नहीं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर जल्द सुनवाई की मांग को अस्वीकार किया। 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया था। जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर. महादेवन की बेंच ने आदेश दिया था कि दिल्ली-एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को सड़कों से उठाकर शेल्टर होम में भेजा जाए और उन्हें वापस सड़कों पर न छोड़ा जाए।

संसद का मॉनसून सत्र: विपक्ष के जोरदार हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मॉनसून सत्र 2025 गुरुवार को समाप्त हो गया। यह सत्र 21 जुलाई से शुरू हुआ था और विपक्षी दलों के लगातार विरोध-प्रदर्शन के बीच लगभग हर दिन हंगामे का दौर देखने को मिला। अंतिम दिन भी सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई, लेकिन विपक्षी सांसदों के विरोध और हंगामें के चलते कुछ देर बाद ही स्थगित करनी पड़ी और अंततः लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा कर दी।

संसद के मॉनसून सत्र में विपक्षी सांसद बिहार की मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) पर विस्तृत चर्चा की मांग करते रहे। विपक्ष ने भाजपा और चुनाव आयोग पर मतदाता सूची में हेरफेर की साजिश का आरोप लगाया। सदन के भीतर और बाहर इसी मुद्दे पर विपक्ष ने सरकार को घेरने की कोशिश की।

सदन की मर्यादा पर स्पीकर की नाराजगी

संसद के मानसून सत्र के अंतिम दिन लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने सत्र की कार्यवाही स्थगित करने से पहले विपक्षी सांसदों के रवैये पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, कि सदन के भीतर नारेबाजी और हंगामा, सदन की मर्यादा और लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है। जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप सदन का सुचारू संचालन आवश्यक है। लगातार जारी विरोध और हंगामें के चलते सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा कर दी।

ऑनलाइन गेमिंग बिल हुआ पास

इससे पहले हंगामे के बावजूद बुधवार को लोकसभा ने ऑनलाइन गेमिंग (प्रचार और विनियमन) विधेयक, 2025 पारित कर दिया गया। सत्र के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने एक अहम विधेयक पेश किया, जिसमें गंभीर आपराधिक आरोपों में फंसे निर्वाचित प्रतिनिधियों को अयोग्य ठहराने का प्रावधान है। इस बिल का विपक्ष ने जोरदार विरोध किया और इसे राजनीतिक हथियार करार दिया।

उपराष्ट्रपति उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी ने दाखिल किया नामांकन

सोनिया गांधी, खड़गे समेत 80 विपक्षी नेता बने प्रस्तावक

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में विपक्षी महागठबंधन इंडिया ब्लॉक की ओर से सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और गोवा के पहले लोकायुक्त बी. सुदर्शन रेड्डी ने गुरुवार को औपचारिक रूप से नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। उनके नामांकन पत्र पर कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, डीएमके सांसद तिरुचि शिवा और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव समेत करीब 80 सांसदों ने प्रस्तावक के रूप में हस्ताक्षर किए।

पूर्व जस्टिस रेड्डी के नामांकन की घोषणा करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वे भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रगतिशील न्यायविदों में से एक हैं। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष का यह फैसला लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए है।

धनखड़ के इस्तीफे से खाली हुआ पद

गौरतलब है कि स्वास्थ्य कारणों से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद से उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति का पद खाली है। इसके बाद सत्ताधारी एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा और एनडीए घटक दलों ने समर्थन के लिए विपक्षी पार्टियों से भी संपर्क साधा, लेकिन सफलता नहीं मिली।

रेड्डी ने कहा- यह राजनीतिक पद नहीं

नामांकन दाखिल करने से पहले बी. सुदर्शन रेड्डी ने अपनी उम्मीदवारी को लेकर कहा, कि सुप्रीम कोर्ट के एक साथी न्यायाधीश ने मुझसे पूछा कि मैं राजनीतिक दलदल में क्यों उतर रहा हूं। मैंने जवाब दिया कि मेरा सफर 1971 में एक वकील के रूप में शुरू हुआ था और मौजूदा चुनौती भी उसी सफर का हिस्सा है। उपराष्ट्रपति का पद कोई राजनीतिक संस्था नहीं, बल्कि एक संवैधानिक यात्रा का हिस्सा है।

9 सितंबर को होगा चुनाव

इस पद के लिए 9 सितंबर को मतदान होना तय है। माना जा रहा है कि मुकाबला बेहद कड़ा और दिलचस्प होगा, क्योंकि दोनों ही पक्ष अपने-अपने उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने में पूरी ताकत झोंक रहे हैं।

सीएम रेखा को हमले के बाद मिली सीआरएफ वाली जेड कैटेगरी की सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को हुए हमले के बाद गृह मंत्रालय फौरी तौर पर एक्शन लेते हुए विशेष सुरक्षा प्रदान कर दी है। अब उन्हें सीआरपीएफ का जेड कैटेगरी सिक्योरिटी कवर दिया गया है। बुधवार रात से ही सीआरपीएफ कमांडो उनकी सुरक्षा संभाल रहे हैं। यहां बताते चलें कि हमले के आरोपी राजेश भाई खिमजी भाई सकारिया (उम्र 41) को गुरुवार को पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। दिल्ली पुलिस ने उस पर हत्या की कोशिश सहित बीएनएस की धारा 109(1), 132 और 221 के तहत केस दर्ज किया है। आरोपी गुजरात के राजकोट का रहने वाला है और उसके खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। हमले के बाद सीएम से मिलने नेताओं का तांता लग गया। मनोज तिवारी, बांसुरी स्वराज और सांसद योगेन्द्र चंदोलिया समेत कई नेता उनका हालचाल लेने पहुंचे। कपिल मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री को आराम की जरूरत है और पुलिस को आरोपी के नेटवर्क की गहराई से जांच करनी चाहिए।

एशिया कप में पाकिस्तान से खेलेगा भारत

सरकार ने कहा- मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में खेलने पर रोक नहीं, द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मुकाबले का रास्ता साफ हो गया है। सरकार ने गुरुवार को कहा है- मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में पाकिस्तान से खेलने पर रोक नहीं है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि बाइलैटरल सीरीज में इंडिया का स्टैंड बरकरार रहेगा।

खेल मंत्रालय के अनुसार, भारतीय टीमें पाकिस्तान में प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लेंगी और न ही पाकिस्तान की टीमों को भारत में खेलने की अनुमति दी जाएगी। लेकिन, इंटरनेशनल और मल्टीनेशनल इवेंट्स (चाहे भारत में हों या विदेश में) में भारत इंटरनेशनल खेल संस्थाओं के नियमों और अपने खिलाडियों के हितों को ध्यान में रखकर निर्णय लेगा। भारतीय टीमें और भारतीय खिलाड़ी उन इंटरनेशनल इवेंट्स में हिस्सा लेंगे, जिनमें पाकिस्तान की टीमें और खिलाड़ी भी शामिल होंगे। यह ठीक वैसा ही है, जैसे भारत में होने वाले मल्टीनेशनल इवेंट्स में पाकिस्तान की टीमें और खिलाड़ी भी भाग ले सकेंगे।

भरे मंच पर सीएम नीतीश ने मुस्लिम टोपी पहनने से किया इनकार, फिर जो हुआ...

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक कार्यक्रम में हंगामा बरपा है। नीतीश ने टोपी पहनने से मना कर दिया। नीतीश कुमार के कई मंत्री स्टेज छोड़कर भाग गए। इस मौके पर मदरसा शिक्षकों ने जमकर हंगामा बरपाया। दरअसल, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को राज्य मदरसा बोर्ड के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्हें दी गई टोपी पहनने से इनकार करते देखे गए, जिसके बाद विपक्ष ने उनकी धर्मनिरपेक्ष साख पर सवाल उठाए। इस घटना ने बिहार चुनाव से पहले राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है क्योंकि नीतीश इससे पहले भी इफ्तार पार्टियों और इस्लामी आयोजनों में टोपी पहने देखे गए हैं।

यह घटना उस समय घटी जब नीतीश पटना में राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड के शताब्दी समारोह में शामिल हुए थे। वायरल हो रहे वीडियो में, बोर्ड का एक सदस्य शुरुआत में नीतीश के सिर पर मुस्लिम टोपी पहनाने की कोशिश करता हुआ दिखाई देता है। हालाँकि, मुख्यमंत्री मना कर देते हैं और उसे अपने हाथ में ले लेते हैं। मंच पर एक तस्वीर खिंचवाने के बाद, बिहार के अल्पसंख्यक मंत्री ज़मा खान फिर से नीतीश को टोपी पहनाने के लिए मनाते हुए दिखाई देते हैं। हालाँकि, नीतीश मना कर देते हैं और टोपी खान के सिर पर रख देते हैं।

बिहार चुनाव की तैयारी में हैं?

यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ ही महीने पहले हुआ है। राज्य की आबादी में मुसलमानों की संख्या लगभग 18त्न है और कई सीटों पर उनका दबदबा है। पिछले कुछ वर्षों से नीतीश इफ्तार के आयोजनों में पारंपरिक प्याला पहने नज़र आते रहे हैं। हालाँकि, पिछले साल एनडीए में फिर से शामिल हुए नीतीश इस साल मार्च में अपने आवास पर आयोजित इफ्तार पार्टी में प्याला पहने नज़र नहीं आए। बार-बार पाला बदलने के कारण ही उन्हें ÷पलटू चाचा÷ की उपाधि मिली है। हाल ही में, जेडी(यू) की व्यावहारिक राजनीति ने मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग को अलग-थलग कर दिया है, खासकर तब जब पार्टी ने वक्फ कानून को अपना समर्थन दिया, जो मुसलमानों द्वारा दान की गई वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन पर सरकारी निगरानी का विस्तार करता है।

पांच मुस्लिम जेडीयू नेताओं ने पार्टी से किया किनारा

इस साल की शुरुआत में नीतीश द्वारा इस विधेयक का समर्थन करने के बाद कम से कम पांच मुस्लिम जेडी(यू) नेताओं ने पार्टी छोड़ दी थी। यह विधेयक अप्रैल में संसद में पारित हो गया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस पर आंशिक रूप से रोक लगा दी थी। जेडी(यू) की मुश्किलें और बढ़ गई हैं क्योंकि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची में संशोधन के कारण, खासकर मुस्लिम बहुल जिलों में, मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने की आशंकाएँ पैदा हो गई हैं।

ई-वॉलेट्स से चंदा वसूली करने में जुटा जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर

3.9 अरब रुपये जुटाने की तैयारी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बीते दो दशकों से ज्यादा समय से सीमा पार आतंकवाद फैलाने में जुटे जैश-ए-मोहम्मद ने अब फंडिंग जुटाने के नए तरीके खोज लिए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने उसके ठिकानों पर हमले किए थे। उसका मुख्यालय तक तबाह किया था। अब यह आतंकी संगठन फिर से सिर उठा रहा है और फाइनेंशियल एकशन टास्क फोर्स की नजर न पड़े, इसके लिए भी नए-नए पैंतरे अपना रहा है। इसी कड़ी में अब ई-वॉलेट्स से चंदा वसूली शुरू कर दी है। ऐसा इसलिए ताकि पेमेंट्स को ट्रैक न किया जा सके। पाकिस्तान में प्रचलित ई-वॉलेट्स के के माध्यम से यह रकम अजहर के परिवार के लोगों के खाते में जुटाए जा रहे हैं। यही नहीं ई-वॉलेट्स पर नए-नए अकाउंट बनाए जा रहे हैं ताकि किसी में भी एक साथ ज्यादा पेमेंट ना आए। इसी के तहत पाकिस्तान में आतंकवाद का नया ढांचा खड़ा हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार आतंकी समूह एक समय में 7 से 8 ई-वॉलेट्स को सक्रिय रखता है। इसके बाद करीब 4 महीने में पुराने अकाउंट्स को बंद कर देता है और फिर हर महीने 30 नए खाते खोले जाते हैं। अब तक मिली जानकारी के अनुसार जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर इस बार 3.9 अरब रुपये जुटाने की तैयारी में है। इतना ही नहीं इस रकम से वह पूरे पाकिस्तान में 313 सेंटर बनाने की तैयारी में है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका, भारत- रूस और तेल व्यापार : इसे इस नजरिए से भी दखिए !

अमेरिका की नीति का एक और पहलू यह है कि वह भारत पर दबाव डालकर अपने तेल को बेचने का रास्ता साफ करना चाहता है। आंकड़े बताते हैं कि 2025 की पहली छमाही में भारत का अमेरिका से तेल आयात 51% बढ़कर 2.71 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुँच गया था, सबसे बड़ी बात यह है कि यह वृद्धि 2024 की पहली छमाही में 1.8 लाख बैरल प्रति दिन की तुलना में काफी अधिक है, फिर भी उसका मन नहीं भर रहा है। यानी, अमेरिका चाहता है कि भारत किसी भी सूरत में रूस से तेल न खरीदे और मजबूरी में उससे खरीदे।

(लेखक--डॉ. मयंक चतुर्वेदी)

आज की दुनिया में ऊर्जा सिर्फ एक वस्तु नहीं है, बल्कि हर देश की आर्थिक रीढ़ और सामरिक शक्ति का आधार है। तेल और गैस वैश्विक राजनीति के सबसे अहम औज़ार बन चुके हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए, लेकिन इसने रूस को रोकने के बजाय उसे नए बाज़ारों की ओर मोड़ दिया। भारत और चीन जैसे बड़े उपभोक्ता देशों के लिए यह एक अवसर बनकर आया। भारत, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, उसने रूस से रिकॉर्ड स्तर पर सस्ता कच्चा तेल खरीदना शुरू किया। आज यही बात अमेरिका को खटक रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25ब से बढ़ाकर 50ब तक अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, सिर्फ इसलिए कि भारत अपनी जनता और उद्योग को रूस से सस्ता तेल खरीदकर राहत दे रहा था। जबकि चीन, जो रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, उस पर अमेरिका ने अपेक्षाकृत नरमी बरती। यही नहीं, चीन के रिफाइनर रूस से पश्चिमी हिस्से का यूराल तेल खरीदकर और भी फायदा उठा रहे हैं। अगस्त 2025 के आँकड़ों के अनुसार, चीन ने लगभग 75,000 बैरल प्रतिदिन यूराल तेल खरीदा, जबकि उसका औसत पहले 40,000 बैरल था। दूसरी तरफ, भारत का आयात घटकर 4 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जबकि पहले यह 11.8 लाख बैरल प्रतिदिन था।

आज भारत के लिए रूस से तेल खरीदने के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। पहला, कीमत। जब पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए, तो रूस ने तेल पर भारी छूट देनी शुरू की। 2022-23 में रूस भारत को 20 लाख बैरल प्रतिदिन तक तेल बेच रहा था, और यह तेल मध्य पूर्व की तुलना में 20-30 डॉलर प्रति बैरल सस्ता था। दूसरा कारण है ऊर्जा सुरक्षा। भारत की कुल ऊर्जा खपत का 85ब हिस्सा आयात से आता है। ऐसे में सस्ती सप्लाई पाना भारत के लिए सिर्फ विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता थी। अगर अमेरिका यह कहता है कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर मुनाफा कमा रहा है, तो इसमें गलत क्या है? क्या अमेरिका की तेल कंपनियाँ केवल मानव सेवा के लिए काम करती हैं? क्या अमेरिकी शेल ऑयल इंडस्ट्री सिर्फ घाटे में चलाने के लिए बनाई गई है? बिल्कुल नहीं। दुनिया का हर देश और हर कंपनी मुनाफे के लिए ही काम करती है, फिर भारत के मुनाफे पर अमेरिका की आपत्ति क्यों?

व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो ने भारत की तेल खरीद को **"opportunistic and very bad"** कहा। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने तो यहाँ तक कह दिया कि भारत रूसी तेल खरीदकर सिर्फ अमीर भारतीय परिवारों को फायदा पहुँचा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत ने 16 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त मुनाफा कमाया है। लेकिन अगर यही तर्क मान लिया जाए, तो अमेरिका की शेल गैस कंपनियाँ, तेल निर्यातक, हथियार निर्माता और फार्मा कंपनियाँ भी तो मुनाफा ही कमा रही हैं। तो फिर भारत के मुनाफे पर इतनी तकलीफ क्यों? असलियत यह है कि अमेरिका दुनिया की ऊर्जा राजनीति पर अकेले अपना दबदबा बनाए रखना चाहता है।

यहाँ यह भी समझना जरूरी है कि भारत की रूस पर निर्भरता कोई स्थायी नहीं है, बल्कि व्यावहारिक है। भारत 2021 तक रूस से अपनी ज़रूरत का केवल 1ब से भी कम तेल खरीदता था। लेकिन पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद रूस ने डिस्काउंट देना शुरू किया और भारत ने इसका फायदा उठाया। इससे भारतीय जनता को महंगे पेट्रोल-डीज़ल से कुछ राहत मिली और रिफाइनरी कंपनियों को भी प्रतिस्पर्धी बढ़त मिली। लेकिन जैसे ही अमेरिका ने दबाव बनाया और टैरिफ बढ़ाया, भारत की खरीद कम हो गई। परिणाम यह हुआ कि चीन ने यह अवसर तुरंत लपक लिया और रूस से ज्यादा तेल खरीदना शुरू कर दिया। क्या अमेरिका को इस पर आपत्ति है? नहीं। क्यों? क्योंकि चीन से टकराने की अमेरिका की हिम्मत नहीं है।

अमेरिका की नीति का एक और पहलू यह है कि वह भारत पर दबाव डालकर अपने तेल को बेचने का रास्ता साफ करना चाहता है। आंकड़े बताते हैं कि 2025 की पहली छमाही में भारत का अमेरिका से तेल आयात 51% बढ़कर 2.71 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुँच गया था, सबसे बड़ी बात यह है कि यह वृद्धि 2024 की पहली छमाही में 1.8 लाख बैरल प्रति दिन की तुलना में काफी अधिक है, फिर भी उसका मन नहीं भर रहा है। यानी, अमेरिका चाहता है कि भारत किसी भी सूरत में रूस से तेल न खरीदे और मजबूरी में उससे खरीदे। यह एक प्रकार का आर्थिक ब्लैकमेल है। भारत को सस्ते विकल्प छोड़कर महंगे विकल्प अपनाने के लिए मजबूर करना किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता।

भारत सरकार ने अमेरिका की इस नीति का विरोध भी किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत की तेल खरीद जरूरत के हिसाब से है, और पश्चिमी देश खुद भी रूस से कुछ व्यापार जारी रखे हुए हैं। यानी, जो काम अमेरिका और यूरोप खुद करें तो सही, लेकिन भारत करे तो गुनाह। भारत ने साफ कर दिया है कि वह अपनी जनता को सस्ता ऊर्जा स्रोत देने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। यही भारत का अधिकार है और यही किसी भी संप्रभु राष्ट्र की स्वतंत्रता का हिस्सा है। आज जिस तरह के आंकड़े सामने आ रहे हैं, उससे पता चलता है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज और अन्य निजी कंपनियाँ भी रूस से तेल खरीदकर अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में पेट्रोलियम उत्पाद बेच रही हैं। इससे भारत को विदेशी मुद्रा आय हुई है। अगर चीन यही काम करे तो उसे 'व्यापारिक चतुराई' कहा जाता है, लेकिन भारत करे तो उसे 'खतरनाक' कहा जाता है। यह भेदभाव अब दुनिया की नज़र से छिपा नहीं है।

वस्तुतः अमेरिका यह चाहता है कि ऊर्जा संसाधनों का उपयोग उसकी विदेश नीति के औज़ार के रूप में हो। रूस को कमजोर करना, चीन को नियंत्रित करना और भारत को अपने खेमे में बनाए रखना, यह उसकी रणनीति है। लेकिन नया विश्व, जिसे हम **Global South** कहते हैं, अब इस दबाव को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका जैसे देश अब बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं। इन देशों की आवाज़ अब संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे मंचों पर गूंज रही है। तेल पर प्रतिबंध लगाना या टैरिफ के माध्यम से दबाव बनाना वास्तव में विकासशील देशों को पीछे धकेलना है। ऊर्जा के बिना विकास असंभव है। यदि भारत को सस्ता तेल रूस से मिलता है, तो इससे उद्योग को राहत मिलेगी, महंगाई नियंत्रित होगी और विकास तेज़ होगा।

अमेरिका का यह कहना कि भारत मुनाफा कमा रहा है, दरअसल उसकी अपनी खीझ का परिणाम कहा जा सकता है। अमेरिका को आज यह स्वीकार करना होगा कि हर देश अपने हित में काम करता है। भारत का रूस से तेल खरीदना न तो अनुचित है और न ही गैरकानूनी। यह पूरी तरह व्यावहारिक और आवश्यक कदम है। इसलिए अमेरिका को भारत की तेल खरीद पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

संपादकीय

मनी गेमिंग पर रोक

यह एक हकीकत है कि ऑन लाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति को भी बदहाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में हर साल 45 करोड़ लोग बीस हजार करोड़ गवां देते हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते हैं। सवाल इन लालच जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं के बाद सरकार ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। दरअसल, सरकार का मानना है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग एक सामाजिक और जन स्वास्थ्य के लिये घातक समस्या है। सरकार के मुताबिक, वह ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। निर्विवाद रूप से हाल के वर्षों में ऑनलाइन स्किल गेमिंग उद्योग ने तेजी से विस्तार किया है। जिसमें पूर्व और वर्तमान क्रिकेटरों और फिल्मी सितारों के प्रचार की भी भूमिका रही है। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। इसमें सरकार को राजस्व की भारी हानि भी हो सकती है। वहीं तसवीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि कई उद्यमी तेजी से उभरते इस गेमिंग व्यवसाय के पराभव की चिंता जता रहे हैं। बताया जाता है कि देश में जो ग्यारह सौ से अधिक गेमिंग कंपनियां तथा करीब चार सौ स्टार्टअप ऑनलाइन गेमिंग उद्योग से जुड़े हैं, जिनके नियमन के बारे में सोचा जा सकता था। उनकी चिंता है कि इससे बड़ी संख्या में नौकरियां जा सकती हैं। लेकिन सरकार का कहना है कि उसने जनकल्याण को ध्यान में रखकर यह फैसला लिया है। लेकिन दूसरी ओर चिंता जतायी जा रही है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग के वैध प्लेटफॉर्म बंद होने से खेलने वाले लोग अनियमित विदेशी ऑपरेटरों के शिकार बन सकते हैं। इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। निस्संदेह, वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवतः छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। जिसकी जांच सीबीआई और ईडी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ शीर्ष राजनेताओं और नौकरशाहों पर सट्टेबाजी एप के यूएई स्थित प्रमोटरों के साथ संबंध होने के आरोप लगे हैं। जो कथित तौर पर हवाला कारोबार और विदेशों में धन-शोधन के कार्यों में लिप्त बताये जाते हैं। निस्संदेह, यह मामला सभी हितधारकों के लिये एक चेतावनी है, लेकिन इस बाबत कोई भी जल्दबाजी वाली प्रतिक्रिया नहीं दी जानी चाहिए। इसके बजाय, ऑनलाइन मनी गेमिंग के सख्त नियमन और इसे भारी कराधान के अधीन लाना एक व्यावहारिक समाधान हो सकता था।

बदलाव के बीज से ही लहलहाएंगी फसलें

हमारे राजनेता और नीति-निर्माता क्यों नहीं चीन से यह बात सीखते कि कैसे उसने 12 करोड़ हेक्टेयर उपजाऊ ज़मीन पर एक 'लाल रेखा' खींच दी है, क्योंकि भविष्य की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के वास्ते इतनी जमीन संरक्षित करना एक आवश्यकता है।

कुछ साल पहले, 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' नामक संगठन के स्थापना-वर्षों के दौरान, अरविंद केजरीवाल चाहते थे कि मैं उनके करीबी विश्वासपात्र मनीष सिसोदिया द्वारा महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के एक गुमनाम से गांव हिवारे बाज़ार पर बनाई गई एक दस्तावेजी फिल्म देखूं, जो अपने चमत्कारिक कायाकल्प के कारण अचानक से खबरों में छाई थी।

सिसोदिया की इस फिल्म में दिखाया गया था कि कैसे एक बारहों माह सूखाग्रस्त एवं अभावग्रस्त गांव ने ग्राम सभा में सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया पर अमल करते हुए, स्वशासन के जरिए खुद को एक जीवंत आदर्श गांव में बदल डाला। इस गांव में वयस्कों की औसत वार्षिक आय जहां वर्ष 1989 में महज 8,000 रुपये थी वह 2012-13 की शुरुआत में बढ़कर 28,000 रुपये हो गई। मुख्य रूप से, जनभागीदारी आधारित सर्वांगीण विकास के इस उल्लेखनीय मॉडल ने अंततः गांव में 54 करोड़पति पैदा कर दिए।

कोई हैरानी नहीं कि एक वक्त यह गांव सबसे अधिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वाला रहा। जीडीपी से भी ज्यादा यह जानना महत्वपूर्ण है कि इसने गरीबी और अभाव से जुड़े तमाम प्रतीकों जैसे कि बढ़ती शराबखोरी, बीमारियों का प्रसार, शिक्षा की कमी को सफलतापूर्वक रोक दिया। नतीजतन गांव में विपरीत-पलायन होने लगा। जब किसी गांव में आर्थिक बदलाव आता है, तो जो लोग पेट की खातिर गांव छोड़कर जाने को मजबूर हुए, वे वापस लौटना चाहते हैं।

कोई नौ साल पहले, मुझे सुखद आश्चर्य हुआ जब केजरीवाल ने 'हिवारे बाज़ार की कहानी, अरविंद केजरीवाल की जुबानी', नामक शीर्षक वाली अन्य यूट्यूब वीडियो की कहानी बड़ी वाक्पटुता से मुझे सुनाई थी। वह चाहते थे कि गांव के अद्भुत सरपंच पोपट लाल के नेतृत्व में जिस सामाजिक-आर्थिक सोच ने रास्ता दिखाया, उसका अनुसरण देश भर के सभी 7 लाख गांवों में किया जाए। बस उन्हें सुनिए और आपको अहसास होगा कि कैसे केजरीवाल ने ग्रामीण समृद्धि लाने की एक 'पारसमणि' खोज ली थी। दरअसल, वीडियो में वे एक नया पंजाब बनाने की बात भी करते हैं और कहते हैं कि यदि आम आदमी पार्टी की सरकार आई तो इस कृषि प्रधान सूबे में हिवारे बाज़ार की सफलता गाथा को लागू किया जाएगा। लेकिन, हमेशा की तरह, सरकार बनने के बाद, यह भी एक भूली-बिसरी कहानी बनकर रह गई।

पार्टी को मिले भारी चुनावी जनादेश को देखते हुए, यह अवसर निश्चित रूप से मौजूद था। कुल 117 सीटों में आम आदमी पार्टी को 92 पर मिली जीत के साथ, उसके पास हिवारे बाज़ार के अनूठे विकास मॉडल को अपनाकर भविष्य की राह फिर से गढ़ने के लिए पर्याप्त अनुकूल परिस्थितियां थीं, जिससे आखिरकार एक नए पंजाब के उदय की रूपरेखा को प्रदर्शित किया जा सकता था। एक कृषि प्रधान राज्य होने के नाते, बिखरती कृषि-आर्थिकी से स्थाई रूप से पार पाने के लिए जरूरी तमाम अवयव पंजाब के पास मौजूद हैं, न केवल जलवायु-अनुकूल है बल्कि आर्थिक-पर्यावरणीय रूप से व्यवहार्य और समृद्ध एक अद्भुत ग्रामीण क्षेत्र के तौर पर भी। अगर एक सूखाग्रस्त गांव 54 करोड़पति पैदा करने पर गर्व कर सकता है, तो कल्पना कीजिए कि पंजाब के 12,000 से ज्यादा गांव, जहां पहले से ही 98 प्रतिशत खेत सिंचाई युक्त है, वहां कितनी बड़ी संख्या में करोड़पति आसानी से पैदा हो सकते हैं। अगर पानी को गांवों के विकास की धुरी के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, तो निश्चित रूप पंजाब से बहुत आगे है।

आवश्यक रूप से इसके लिए एक नई एवं कल्पनाशील सोच की आवश्यकता है, जिसका मास्टर प्लान पहले से ही मौजूद है। लेकिन अपनी सहूलियत के हिसाब से इसको ठंडे बस्ते में डालकर, आम आदमी पार्टी ने स्पष्ट रूप से इस महान अवसर को गंवा दिया है। और अब सिसोदिया द्वारा अपनी पार्टी कार्यकर्ताओं को दी गई यह नवीनतम सलाह - '2027 का चुनाव जितवाने के लिए, साम, दाम, दंड, भेद, सच, झूठ, सवाल, जवाब, लड़ाई, झगड़ा जो करना पड़ेगा... तैयार हैं जोश के साथ?', सब कुछ उजागर कर जाती है। इसलिए यह स्पष्ट है कि लैंड पूलिंग योजना अकारण नहीं थी। मेरी हताशा राजनीतिक नेतृत्व की उस कथनी पर यकीन न कर पाने से भी है, जिसे वे बार-बार हमें बताते रहते हैं। शुरुआत करने के लिए, निश्चित रूप से पंजाब को फसल विविधीकरण की ज़रूरत है, जो प्रचलित गेहूं-धान फसल चक्र पद्धति की जगह ले सके, लेकिन लैंड पूलिंग वह विविधीकरण नहीं था जिसकी आस पंजाब को है। मेरी समझ में लैंड पूलिंग योजना वास्तव में नीति निर्माताओं में व्याप्त 'बौद्धिक सूखे' का अक्स है और इसमें सेवारत के अलावा प्रभावशाली सेवानिवृत्त नौकरशाही, दोनों, शामिल हैं। कुछ महीने पहले पंजाब विश्वविद्यालय में आयोजित एक नीति संवाद में, सेवानिवृत्त नौकरशाहों को खेती की एवज़ में तेज़ औद्योगीकरण की वकालत करते सुनना कोई हैरानी की बात नहीं थी।

यह सिर्फ़ पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी नहीं; देशभर में हर किस्म के राजनीतिक दल ज़मीनें हड़पने में लगे हैं। किसी भी प्रमुख दल का नाम लीजिए, उसकी नज़र ज़मीन हड़पने पर ही है। हरियाणा आगामी 6 नए इंटिग्रेटेड मल्टीमॉडल टाउनशिप के लिए 35,000 एकड़ ज़मीन अधिग्रहण करने की योजना बना रहा है। कर्नाटक में, साढ़े तीन साल तक चले किसानों के लंबे विरोध प्रदर्शन के बाद, मुख्यमंत्री ने बेंगलुरु के आसपास के 13 गांवों तक फैले देवनहल्ली तालुका में 1,777 एकड़ कृषि भूमि का अधिग्रहण करने वाला फैसला वापस ले लिया है। इत्यादि।

इसे कुछ भी नाम दें, 164 गांवों में लगभग 65,553 एकड़ भूमि का अधिग्रहण उस तरह का विविधीकरण नहीं था जिसकी पंजाब को जरूरत थी। यह जमीन हड़पने की योजना के अलावा कुछ नहीं थी। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा चार हफ्तों के लिए लैंड पूलिंग नीति पर रोक लगाने के तुरंत बाद, किसान समूहों की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई, जिसमें ट्रैक्टर रैलियां और कई गांवों में आम आदमी पार्टी के नेताओं के लिए 'प्रवेश निषेध' नोटिस बोर्ड और बैनर लगना शामिल थे, इसके चलते पंजाब सरकार द्वारा घातक नीति को वापस लेने का फैसला राहत की सांस के रूप में आया, जिसकी बहुत जरूरत थी। सनद रहे, न्यायालय ने यह भी कहा था कि अधिगृहीत की जा रही भूमि अत्यंत उपजाऊ है और द्विफसलीय है, जिसका अर्थ है कि केवल असाधारण मामलों में ही इसका अधिग्रहण हो सकता है, और इस तरह यह नीति भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के विरुद्ध जाती है।

लेखक कृषि एवं खाद्य संबंधी मामलों के विशेषज्ञ हैं।

इच्छाओं को समर्पित करते जाओ

सभी इच्छाएं खुशी के लिए होती हैं। इच्छाओं का लक्ष्य ही यही है। किंतु इच्छा आपको कितनी बार लक्ष्य तक पहुंचाती है? इच्छा तुम्हें आनंद की ओर ले जाने का आभास देती है, वास्तव में वह ऐसा कर ही नहीं सकती। इसीलिए इसे माया कहते हैं। इच्छा कैसे पैदा होती है? किसी सुखद अनुभव की स्मृति या भूत के प्रभाव से इच्छा पैदा होती है। कुछ सुनने से भी इच्छा जागृत हो सकती है या किसी विशेष स्थान या व्यक्ति के संपर्क से। किसी और व्यक्ति की जरूरत या इच्छा भी तुम्हारी अपनी इच्छा के रूप में पैदा हो सकती है। मान लो कोई भूखा है, तो तुम्हें उसे खिलाने की इच्छा हो सकती है, या कोई तुमसे बात करना चाहता हो तो तुम्हारी भी उससे बात करने की इच्छा हो सकती है। कभी-कभी नियति या कोई घटना जिसमें तुम्हें भाग लेना है, तुममें इच्छा जाग्रत करती है, पर तुम अपने कृत्यों का कारण नहीं जानते।

इच्छाएं अपने आप उत्पन्न होती हैं, वे तुमसे पूछकर नहीं आतीं। जब इच्छाएं उत्पन्न होती हैं, तुम उनका क्या करते हो? यदि तुम सोचते हो कि तुम इच्छाहीन हो जाओ, तो यह भी एक और इच्छा है। मैं एक उपाय बताता हूं- सिनेमा देखने के लिए टिकट खरीदनी पड़ती है और यह टिकट प्रवेश द्वार पर देनी पड़ती है। यदि तुम उस टिकट को पकड़े रखोगे तो अंदर कैसे जाओगे? उसी प्रकार, यदि तुम किसी कॉलेज में दाखिल होना चाहते हो तो आवेदन पत्र की जरूरत है। उसे भरकर जमा करना पड़ता है। उसे पकड़कर नहीं रख सकते। इसी प्रकार जीवन-यात्रा में भी अपनी इच्छाओं को पकड़कर मत रखो, उन्हें समर्पित करते जाओ। जैसे-जैसे समर्पण करते जाओगे, इच्छाएं भी कम उत्पन्न होंगी। सौभाग्यवान वे हैं जिनमें इच्छा उत्पन्न ही नहीं होती, क्योंकि इच्छा जागृत होने के पहले ही वे तृप्त हैं।

विचार मंथन

अब तक का सबसे रोचक उपराष्ट्रपति पद का चुनाव?

(लेखक- सनत जैन)

- परिणाम से तय होगा देश का भविष्य

संसद का मानसून सत्र शुरू होने के तुरंत बाद राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा हो गया। जिसके कारण रिक्त पद पर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होने जा रहा है। इस्तीफा देने के बाद से पूर्व उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ अज्ञातवास में है। इस्तीफा के कारणों को लेकर भी तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इसी बीच उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। संसद के दोनों सदनों में पहले ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद एसआईआर को लेकर दोनों सदनों में हंगामा होता रहा। सरकार ने बिना चर्चा के एक दर्जन से ज्यादा बिल हंगामा के बीच पास कर दिये। ऑपरेशन सिंदूर में दोनों सदनों में लगभग 16-16 घंटे की चर्चा हुई। इसके अलावा संसद में कोई कामकाज नहीं हुआ। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में जिस तरह की तनातनी चल रही है। इस बीच सरकार ने एक नया बिल पेश किया। इस बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया है। यदि यह बिल पास हो जाता है, तो केंद्र में जो भी सरकार होगी। वह विपक्षी दलों की राज्य सरकारों को या किसी भी प्रदेश की राजनीति को अपने ढंग से चलाने में सक्षम हो जाएगी। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय द्वारा विपक्षी दलों के नेताओं पर 5000 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनकी जांच चल रही है। कई नेता और अधिकारी जो नया बिल सरकार लेकर आ रही है उसके अनुसार 30 दिन कोई भी मुख्यमंत्री, मंत्री अथवा प्रधानमंत्री हिरासत में रहता है। ऐसी स्थिति में उसे उसके पद से हटाया जा सकता है। ईड़ी का जो कानून है, उसके अनुसार न्यायालय से जमानत मिलने का कोई प्रावधान नहीं है। ईड़ी के पास असीमित शक्तियां हैं। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों के नेताओं के ऊपर जिस तरीके की कार्रवाई हुई है। उन्हें न्यायालय से जमानत नहीं मिल पाई। कई राज्यों में ईड़ी के कारण विपक्षी दलों की सरकार गिर गई या राजनीतिक अस्थिरता फैल गई। इस बिल को सभी क्षेत्रीय राजनीतिक दलों और विपक्षी दलों में इस बात का भय उत्पन्न हो गया है। यह बिल पास हो जाएगा, उसके बाद देश में विपक्षी राजनीतिक दलों और क्षेत्रीय दलों का कोई काम नहीं रह जाएगा। ऐसे विषम स्थिति पर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होने जा रहा है। सत्ता पक्ष की ओर से महाराष्ट्र के राज्यपाल राधाकृष्णन को चुनाव मैदान में उतरा गया है। वह संघ एवं भाजपा से कई दशकों से जुड़े हुए हैं। झारखंड में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री रहते हुए राजभवन से गिरफ्तार किया गया था। तब वह झारखंड के राज्यपाल थे। जगदीप धनखड़ भी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे। उन्हें प्रधानमंत्री मोदी ने उपराष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ाकर राज्यसभा का सभापति बना दिया था। राज्यसभा में उन्होंने किस तरीके से काम किया है। यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष जिस तरह से सरकार के ही इशारे पर संसदीय कार्य करते हैं। उससे संसदीय परंपरा मैं विपक्ष मरणासन्न अवस्था में पहुंच गया है। वर्तमान स्थिति में मोदी सरकार गठबंधन की सहायता से चल रही है। राहुल गांधी ने लोकसभा 2024 और विधानसभाओं के चुनावों में जिस तरह की गड़बड़ियों हुई हैं। इसको उजागर कर चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। सभी विपक्षी राजनीतिक दल, चुनाव आयोग के खिलाफ एकजुट है। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चल पा रही थी। इसी बीच सरकार द्वारा जो बिल संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किया गया है। उसमें 30 दिन तक कोई भी मुख्यमंत्री अथवा मंत्री गिरफ्तार किया जाता है, 30 दिन हिरासत में रहता है। ऐसी स्थिति में उसे बर्खास्त किया जा सकता है। इसको लेकर एनडीए गठबंधन में शामिल राजनीतिक दल भी सरकार के इस बिल को लेकर कहीं ना कहीं संसय में आ गए हैं। सत्ता पक्ष ने तमिलनाडु के सीपी राधा कृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। इंडिया गठबंधन में फूट डालने और सत्ता पक्ष ने तमिल की राजनीति में एक दांव चला था। विपक्ष ने उसकी पहचाना, विपक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जो आंध्र प्रदेश से आते हैं। उन्हें उम्मीदवार बनाकर सत्ता पक्ष को कड़ी चुनौती दे दी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में शह और मात का जो खेल शुरू हुआ है, उसका परिणाम क्या होगा, कहना मुश्किल है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के दोनों उम्मीदवार एक दूसरे को कड़ी प्रतिस्पर्धा दे रहे हैं। जिस तरह का संघर्ष सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच देखने को मिल रहा है वह रोमांचकारी है।

विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ सीधी लड़ाई में जनता की अदालत में लड़ाई लड़ रहा है। सत्ता पक्ष अभी तक संवैधानिक संस्थाओं और अदालतों के पीछे छिपकर जो खेल खेल रहा था, उसे विपक्ष ने समझ लिया है। विपक्ष जनता की अदालत में जाकर आर-पार की लड़ाई लड़ने की तैयारी में जुट गया है। चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर को लेकर जो नियम और कानून बनाए थे। राहुल गांधी ने कर्नाटक की एक लोक सभा सीट के एक विधानसभा सीट में चुनाव आयोग द्वारा की गड़बड़ी उजागर किया है। संविधान और लोकतंत्र बचाने यह की एक लड़ाई बना दिया है। इस लड़ाई में उपराष्ट्रपति पद का चुनाव देश के भविष्य को तय करेगा। इसमें कोई संदेह नहीं है। विपक्षी एक जुटता ने सरकार के सामने कई चुनौतियां खड़ी कर दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रेखा झुनझुनवाला ने गेमिंग के शेयर बेचकर करोड़ों कमाए

मुंबई । शेयर बाजार में जानकार ही पैसा कमा सकते हैं। इस बात को सिद्ध किया रेखा झुनझुनवाला ने। उन्होंने कुछ महीने पहले ही ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग कंपनी के शेयर बेचकर भारी कमाई कर ली।मार्च 2025 तक रेखा झुनझुनवाला के पास 7.6 फ़ीसदी की हिस्सेदारी थी। उनके पास 61.8 लाख शेयर थे। 13 जून को उन्होंने अपने सारे शेयर 1225 रुपए प्रति शेयर में बेच दिए थे। जिससे उन्हें 334 करोड रुपए मिले। अन्य निवेशकों ने जिन्होंने अपने शेयरनहीं बेचे थे।उन्हें केंद्र सरकार द्वारा लाये गए बिल के बाद भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रतिबंध के बाद 13 फ़ीसदी की गिरावट गेमिंग कंपनी नजारा टेक मे आई है। इसी कंपनी के शेयर रेखा झुनझुनवाला ने बेचे थे। यह शेयर उन्हें पति राकेश झुनझुनवाला की मृत्यु के बाद प्राप्त हुए थे। सही समय पर उन्होंने सही निर्णय लिया।

आईडीबीआई बैंक का जल्द होगा निजीकरण

नई दिल्ली । सरकारी बैंक आईडीबीआई के निजीकरण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सरकार और एलआईसी की 95 फीसदी हिस्सेदारी में से लगभग 60.72 फीसदी शेयरों की बिक्री चरणबद्ध तरीके से की जाएगी। वित्त विभाग के एक अे धिकारी ने बताया कि इच्छुक निवेशकों को योग्य घोषित कर दिया गया है और वैल्यूएशन लगभग तय हो चुका है। इस कदम के तहत आईडीबीआई जल्द ही सरकारी नियंत्रण से बाहर आ जाएगा। अगर डील फाइनल होती है तो 2025 की शुरुआत में आईडीबीआई प्राइवेट बैंक बन जाएगा। इस खबर के बाद बैंक के शेयरों में जबरदस्त उछाल देखा गया है, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है। यह कदम भारतीय बैंकिंग सेक्टर के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है। सरकार जल्द ही अंतिम बोलीदाताओं के नाम सार्वजनिक कर सकती है, जिससे आगे की प्रक्रिया और स्पष्ट होगी।

स्नेहा ऑर्गेनिक्स का आईपीओ 29 अगस्त को खुलेगा

- मूल्य दायरा 115-122 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली । हरित एवं टिकाऊ समाधान प्रदाता स्नेहा ऑर्गेनिक्स ने अपने आगामी आईपीओ के लिए प्रति शेयर 115 रुपये से 122 रुपये का मूल्य दायरा निर्धारित किया है। यह आईपीओ 29 अगस्त से अभिदान के लिए खुलेगा और 2 सितंबर को बंद होगा। कंपनी 27 लाख नए शेयर जारी कर कुल 32.68 करोड़ रुपये जुटाएगी। स्नेहा ऑर्गेनिक्स इस राशि का उपयोग अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। कंपनी का यह आईपीओ एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होगा, जो 5 सितंबर को संभव है। हरित समाधान क्षेत्र में कार्यरत इस कंपनी के इस कदम से निवेशकों को टिकाऊ और पर्यावरण-हितैषी कंपनियों में निवेश का अवसर मिलेगा। आगामी सूचीबद्धता से कंपनी की पूंजी वृद्धि और व्यवसाय विस्तार की संभावना बढ़ेगी।

संसद में पारित हुआ ऑनलाइन गेमिंग विनियमन विधेयक

- ई-स्पोर्ट्स को मिलेगा बढ़ावा, मनी गेम्स पर लगेगी रोक

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के दोनों सदनों में पारित ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025 की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह विधेयक भारत को गेमिंग, नवाचार और रचनात्मकता का केंद्र बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह कानून ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेम्स को प्रोत्साहन देगा और समाज को ऑनलाइन मनी गेम्स के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखेगा। राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा पेश किए गए इस विधेयक का उद्देश्य है धन आधारित और सट्टा आधारित ऑनलाइन गेम्स पर रोक लगाना और युवाओं के लिए एक सुरक्षित व रचनात्मक गेमिंग वातावरण तैयार करना। यह कानून समाज, विशेषकर युवाओं और संवेदनशील वर्गों को आर्थिक, मानसिक, और निजता से जुड़े खतरों से बचाने के उपाय करता है। विधेयक में लोक व्यवस्था, जनस्वास्थ्य और वित्तीय प्रणाली की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी प्रावधान है। इसके अलावा यह अवैध सट्टेबाजी और विदेशी वेबसाइटों से चलने वाले मनी गेम्स पर सख्त नियंत्रण लगाएगा। सरकार का उद्देश्य है कि भारत में ऑनलाइन गेमिंग उद्योग को एक सुनियोजित, पारदर्शी और जिम्मेदार फ्रेमवर्क के तहत विकसित किया जाए। साथ ही ई-स्पोर्ट्स और शैक्षणिक खेलों को सुरक्षित वातावरण प्रदान कर उन्हें नवाचार

और रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाए। यह विधेयक भारत के डिजिटल भविष्य को सुरक्षित और समावेशी बनाने की दिशा में एक अहम पहल मानी जा रही है।

रुपया गिरावट के साथ बंद हुआ

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ 87.50 पर बंद हुआ। इसकी वजह डॉलर का मजबूत होना और एफआईआई की बिकवाली को माना जा रहा। मजबूत मांग के बीच शुक्रवार को भारतीय रुपया 11 पैसे टूटकर 87.36 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.37 पर खुला और जल्द ही 87.36 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद स्तर 87.25 से 11 पैसे की गिरावट दिखता है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार वैश्विक स्तर पर डॉलर की मजबूती और विदेशी निवेशकों की बिकवाली से रुपये पर दबाव बना है। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और सीमित विदेशी पूंजी प्रवाह के चलते रुपये में ज्यादा गिरावट नहीं हुई। डॉलर सूचकांक, जो छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाता है, 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 98.72 पर पहुंच गया। इससे अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और स्पष्ट हो गई है।

भारत में पहला कार्यालय दिल्ली में खोलेगा ओपनएआई

तेजी से बढ़ते एआई बाजार को देखते हुए बड़ा कदम

नई दिल्ली ।

कृत्रिम मेधा (एआई) तकनीक में अग्रणी अमेरिकी कंपनी ओपनएआई ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह साल 2025 के अंत तक राजधानी दिल्ली में अपना पहला कार्यालय खोलने जा रही है। यह कदम भारत में उसके एआई उत्पादों की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता को ध्यान में रखकर उठाया गया है। भारत, अमेरिका के बाद चैटजीपीटी का दूसरा सबसे बड़ा और तेजी से बढ़ता उपयोगकर्ता आधार बन चुका है। कंपनी ने बताया कि उसने भारत में आधिकारिक रूप से अपनी स्थानीय इकाई स्थापित कर दी है और एक समर्पित भारतीय टीम की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस कार्यालय के जरिए ओपनएआई भारत सरकार, व्यवसायों, डेवलपर्स, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य साझेदारों के साथ मिलकर काम करेगी। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा` कि भारत में एआई को लेकर जोश और संभावनाएं अविश्वसनीय हैं। यहां की तकनीकी प्रतिभा, विकसित डेवलपर समुदाय और सरकारी समर्थन इसे वैश्विक एआई नेता बनने की दिशा में अग्रसर करते हैं। यह निर्णय भारत में चेटजीपीटी गो, ओपनएआई एकडमी और इंडिक भाषा समर्थन जैसी पहलों की घोषणा के बाद आया है। इन पहलों का उद्देश्य भारत के उपयोगकर्ताओं को और अधिक अनुकूल सेवाएं प्रदान करना है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 693 , निफ्टी 213 अंक नीचे आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी के साथ ही पिछले दिनों से जारी तेजी पर अंकुश लग गया। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आयी है।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 693.86 अंक की गिरावट के साथ ही 81,306.85 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 213.65 अंक टूटकर 24,870.10 पर बंद हुआ। सबसे ज्यादा गिरावट धातु शेयरों में आई। इससे निफ्टी मेटल इंडेक्स 1.25 फीसदी नीचे आकर बंद

इसके अलावा, एफएमसीजी, प्राइवेट बैंक और पीएसयू बैंक इंडेक्स में एक फीसदी से अधिक की गिरावट रही। केवल फार्मा, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थकेयर और डिफेंस के शेयर बढ़त पर बंद हुए।

लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी बिकवाली दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 79.20 अंक या 0.14 फीसदी की कमजोरी के साथ 57,629.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 46.85 अंक तकरीबन 0.26 फीदसी की गिरावट के साथ 17,919.50 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, मारुति सुजुकी, बीईएल, सन फार्मा, भारती एयरटेल और टाइटन के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, एचसीएल टेक, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, एसबीआई, इटरनल, एक्सिस बैंक और टाटा मोटर्स के शेयर सबसे अधिक गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सुबह सेंसेक्स 81,951 अंक पर खुला और शुरुआती कारोबार में 227.24 अंक गिरकर 81,773.47 पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी ने 25,064.15 पर शुरुआत की और बाद में ये 24,996 पर कारोबार कर रहा था। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में बिकवाली से प्रमुख सूचकांकों पर दबाव रहा। इससे पहले गुरुवार को बाजार में मामूली बढ़त देखने को मिली थी। वहीं एशियाई बाजारों में भी मिलाजुला रुख देखने को मिला। कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.06 फीसदी चढ़ा, जापान का निक्केई 0.13 फीसदी और हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 0.33 फीसदी ऊपर रहा। लेकिन ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 मामूली गिरावट में रहा। इस बीच पॉवेल के भाषण से पहले गुरुवार को अमेरिकी बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। एसएंडपी 500 में 0.4 फीसदी, नैस्डैक कंपोजिट में 0.34 फीसदी और डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.34 फीसदीकी गिरावट दर्ज की गई।

बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर में बढ़े रोजगार के अवसर

- मिलेंगी 2.5 लाख नई नौकरियां

नई दिल्ली ।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर इस वित्त वर्ष में 8.7 फीसदी और 2030 तक लगभग 10 फीसदी की दर से बढ़ेगा। इस वृद्धि से लगभग 2.5 लाख स्थायी नौकरियों के सृजन की उम्मीद है।

खास बात यह है कि हायरिंग केवल मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी तेजी से भर्ती होगी। 2025 की पहली छमाही में इस सेक्टर में हायरिंग पिछले साल की तुलना में 27 फीसदी बढ़ी है। सबसे अधिक मांग फंटलाइन, डिजिटल और कम्प्लायंस से जुड़ी नौकरियों में देखी जा रही है। मिडिल और सीनियर लेवल पर ईएसजी स्ट्रैटेजी, डिजिटल वेल्थ मैनेजमेंट और एआईएफ या पीएमएस कम्प्लायंस जैसे नए क्षेत्रों में 30 फीसदी तक हायरिंग बढ़ी है। पब्लिक और प्राइवेट बैंक अपने कोर सिस्टम्स को मॉडर्न बनाने, क्लाउड बेस्ड टेक्नोलॉजी और डिजिटल ऐप्स के लिए टैलेंटेड टीम बना रहे हैं। एमएसएमई और ग्रामीण इलाकों में लोन की बढ़ती मांग ने अंडरराइटिंग, कलेक्शन और रेगुलेटरी कम्प्लायंस से जुड़े जॉब्स को बढ़ावा दिया है। म्यूचुअल फंड, ब्रोकरेज और फिनटेक कंपनियां अपने नेटवर्क और टेक टीम्स को मजबूत कर रही हैं। साथ ही, रेगुलेटरी और साइबर रिस्क्स के कारण कम्प्लायंस और फॉड डिटेक्शन एक्सपर्ट्स की मांग भी लगातार बढ़ रही है।

इंश्योरेंस इंडस्ट्री में डिजिटल अंडरराइटर्स, एआई क्लेम स्पेशलिस्ट्स और फॉड एनालिस्ट्स की नौकरी में 6-9 फीसदी तक की ग्रोथ दर्ज की गई है।

आने वाले वर्षों में हर साल 5-7 फीसदी नई भर्ती होने की उम्मीद है। बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर में करियर के लिए यह सुनहरा मौका है।

सीसीपीए ने रैपिडो पर लगाया 10 लाख का जुर्माना

- भ्रामक विज्ञापन का आरोप

नई दिल्ली । सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी (सीसीपीए) ने रैपिडो पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने 5 मिनट में ऑटो न मिलने पर 50 रुपए देने और गारंटीड ऑटो जैसे भ्रामक विज्ञापन दिए थे। जांच में पता चला कि 50 रुपए की जगह ग्राहकों को रैपिडो कॉइन दिए गए, जो केवल 7 दिन में खत्म हो जाते थे और बाइक राइड्स पर ही इस्तेमाल हो सकते थे। विज्ञापनों में डिस्क्लेमर छोटे फॉन्ट में थे, जिससे उपभोक्ता उन्हें पढ़ नहीं सके। जून 2024 से जुलाई 2025 के बीच रैपिडो के खिलाफ 1,200 से अधिक शिकायतें दर्ज हुईं। सीसीपीए ने कंपनी को आदेश दिया है कि जिन ग्राहकों को वादा के अनुसार मुआवजा नहीं मिला, उन्हें पैसे लौटाए जाएं।

वंदे भारत प्रोजेक्ट में जुपिटर वैगन्स को 215 करोड़ का बड़ा ऑर्डर

- कंपनी ने अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना भी साझा की

मुंबई ।

रेलवे मोबिलिटी सॉल्यूशन कंपनी जुपिटर वैगन्स लिमिटेड को वंदे भारत ट्रेन परियोजना के तहत एक बड़ा ऑर्डर प्राप्त हुआ है। कंपनी की सब्सिडियरी जुपिटर तात्रावगोंका रेलव्हील फैक्ट्री प्राइवेट लिमिटेड को 19 अगस्त को इस संबंध में लेटर आफ इंटेंट मिला। इस ऑर्डर के तहत कंपनी को 5,376 आधुनिक व्हीलसेट (2,688 मोटर और 2,688 ट्रेलर) सप्लाई करने हैं, जिसकी कुल वैल्यू लगभग 215 करोड़ रुपए है। कंपनी का कहना है कि ये हाई-स्पीड व्हीलसेट वंदे भारत ट्रेनों की सुरक्षा, गति और स्थायित्व को सुनिश्चित करेंगे। जुपिटर वैगन्स के मुताबिक, यह ऑर्डर भारत के तेजी से बढ़ते हाई-स्पीड रेल नेटवर्क में उनकी भूमिका को दर्शाता है। सरकार के वंदे भारत विस्तार मिशन में यह योगदान बेहद अहम माना जा रहा है। इसके साथ ही, कंपनी ने अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना भी साझा की है। ओडिशा में एक नई फैक्ट्री का निर्माण किया जा रहा है, जिससे फोर्ज्ड व्हीलसेट की

सालाना क्षमता 20,000 से बढ़कर 1,00,000 तक हो जाएगी। इस विस्तार में 2,500 करोड़ रुपए का निवेश होगा और इसे 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इस खबर के बाद कंपनी के शेयर में तेजी देखी गई और यह 4.1 फीसदी चढ़कर 343.45 पर बंद हुआ। वर्तमान में कंपनी का मार्केट कैप 14,579 करोड़ रुपए के आसपास है। जुपिटर वैगन्स भारत की रेल इंडस्ट्री में एक मजबूत खिलाड़ी बनकर उभर रही है।

देश में दूध का उत्पादन पांच फीसदी बढ़ने की संभावना

वित्त वर्ष 24 में दूध उत्पादन 3.78 फीसदी बढ़कर 239.3 मिलियन टन तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

भारत में डेयरी उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और आने वाले कुछ वर्षों में दूध उत्पादन सालाना 5 फीसदी की दर से बढ़ने की संभावना है, जो वैश्विक औसत से कहीं अधिक है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025 में भी दूध उत्पादन में 5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 24 में भारत का कुल दूध उत्पादन 3.78 फीसदी बढ़कर 239.3 मिलियन टन तक पहुंच गया। डेयरी उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। खासकर छोटे और सीमांत किसान तथा महिलाएं इस क्षेत्र की मजबूत आधारशिला हैं। ये किसान डेयरी के माध्यम से अपनी आय बढ़ा रहे हैं, जिससे ग्रामीण आर्थिक विकास को भी मजबूती मिली है। ` वित्त वर्ष 24 में दूध उत्पादन कुल कृषि उत्पादन का लगभग 19.8 फीसदी हिस्सा था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता और खपत में वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 20 से 24 के बीच प्रति व्यक्ति दूध की खपत में 3.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि 24 में औसतन हर व्यक्ति के लिए 471 ग्राम दूध प्रतिदिन खपत हुई, जो 20 में 406 ग्राम थी। घरेलू खपत दूध और डेयरी उत्पादों की मांग का मुख्य कारण है। विशेषज्ञों के अनुसार वित्त वर्ष 27 तक डेयरी उत्पादों का उत्पादन 10.8 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 4,200.6 बिलियन तक पहुंच सकता है। सहकारी समितियां और संगठित क्षेत्र दूध की खरीद में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारत में कुल दूध उत्पादन का लगभग 63 फीसदी बिक्री के लिए होता है, जिसमें से 32 फीसदी हिस्सा संगठित क्षेत्र के पास है।` वित्त वर्ष 24 में सहकारी समितियों ने अकेले 24 मिलियन टन दूध का प्रबंधन किया और किसानों को उनकी दूध की कीमत का 80-82 फीसदी सीधे भुगतान किया, जिससे उन्हें नियमित और समय पर आय प्राप्त होती है। यह रिपोर्ट भारतीय डेयरी उद्योग की मजबूती और ग्रामीण विकास में इसके योगदान को उजागर करती है।

आंध्र प्रदेश को लॉजिस्टिक्स हब बनाएगी सरकार

- बंदरगाह विकास में 9,000 करोड़ का होगा निवेश

अमरावती ।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बताया कि आंध्र प्रदेश की 1,053 किलोमीटर लंबी तटरेखा को देखते हुए सरकार ने हर 50 किलोमीटर पर एक बंदरगाह या हार्बर विकसित करने की रणनीति बनाई है। उन्होंने हाल ही में यह बात आंध्र प्रदेश मैरीटाइम बोर्ड और एक वैश्विक शिपिंग एवं पोर्ट मैनेजमेंट कंपनी की सहायक इकाई के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर समारोह में कही। इस समझौते के तहत लगभग 9,000 करोड़ रुपये के निवेश से रामयपट्टनम, मछलीपट्टनम और मुलपेटा बंदरगाहों का विकास और आधुनिकीकरण किया जाएगा। कंपनी इन बंदरगाहों पर आधुनिक टर्मिनल और कार्गो हैंडलिंग सिस्टम स्थापित करेगी। इस पहल से लगभग 10,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार का कहना है कि आंध्र प्रदेश को ईस्ट कोस्ट गेटवे के रूप में विकसित करने का लक्ष्य अब हकीकत बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री नायडू ने जोर देकर कहा कि कंपनी की सेवाओं से न केवल अंतरराष्ट्रीय बल्कि घरेलू कार्गो परिवहन को भी लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि बंदरगाहों के आसपास आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य का लक्ष्य विश्वस्तरीय बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स के माध्यम से आंध्र प्रदेश को भविष्य के लिए तैयार अर्थव्यवस्था बनाना है। नायडू ने कंपनी से रेल, सड़क, अंतर्देशीय जलमार्ग और हवाई मार्गों के जरिए एकीकृत कार्गो परिवहन योजना तैयार करने में सहयोग देने का भी अनुरोध किया। इस अवसर पर मंत्री बी.सी. जनार्दन रेड्डी, मैरीटाइम बोर्ड के चेयरमैन दमचारला सत्य, उद्योग विभाग के सचिव युवराज, वरिष्ठ अधिकारी और कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जेआईसीए ने ग्लोबल सप्लाई चेन फंड में 4 करोड़ डॉलर का निवेश किया

- एशिया-अफ्रीका में व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई ।

जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) ने शुक्रवार को आविष्कार कैपिटल के ग्लोबल सप्लाई चेन सपोर्ट फंड में 4 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की। यह निवेश भारत, अफ्रीका और एशिया के उभरते बाजारों में आपूर्ति श्रृंखला को सशक्त करने और स्थानीय उद्यमों को सहयोग देने के उद्देश्य से किया गया है। आविष्कार कैपिटल के अनुसार इस निवेश से जेआईसीए को भारत के साथ-साथ अफ्रीका और एशिया में भी विस्तार करने में मदद मिलेगी, जिससे व्यापक हिंद महासागर क्षेत्र और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी। इस निर्णय की घोषणा जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने जापान के योकोहामा में आयोजित टीआईसीएडी-9 (अफ्रीकी विकास पर टोक्यो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन) के दौरान की। इस अवसर पर हिंद महासागर में आर्थिक भागीदारी - अफ्रीका फोरम का आयोजन भी किया गया। जेआईसीए के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह निवेश भारत-जापान की मजबूत साझेदारी को और आगे बढ़ाएगा और अफ्रीका व एशिया में सतत विकास को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने इसे जेआईसीए और आविष्कार कैपिटल के बीच सहयोग के एक नए अध्याय की शुरुआत बताया। यह कदम वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थायित्व और विविधता लाने की दिशा में एक रणनीतिक पहल माना जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय क्रिकेट टीम बिना स्पॉन्सर के खेलेगी एशिया कप 2025?, बीसीसीआई सचिव की प्रतिक्रिया आई सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी पुरुष एशिया कप में टीम इंडिया पर बिना लोगो वाली जर्सी पहनने का खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति 'ऑनलाइन गेमिंग के प्रचार और विनियमन विधेयक' के पारित होने के बाद उत्पन्न हुई है। हाल ही में पारित इस विधेयक में ड्रीम11 जैसे सभी प्रकार के ऑनलाइन फैंटेसी स्पोर्ट्स और जुआ प्लेटफ़ॉर्म पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। एशिया कप 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में शुरू हो रहा है।

ड्रीम11 जुलाई 2023 से भारत का प्रमुख प्रायोजक है। शुरुआती अनुबंध के तहत इस ऑनलाइन फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म के पास तीन साल के लिए प्रायोजन अधिकार थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने अभी तक ड्रीम11 के साथ अपने भविष्य के जुड़ाव के बारे में कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, 'अगर यह जायज नहीं है, तो हम कुछ नहीं करेंगे। बीसीसीआई केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई देश की हर नीति का पालन करेगा।'

शुक्रवार को ड्रीम 11 ने भी एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की कि भारतीय संसद में विधेयक पारित होने के बाद 'नकद खेल और प्रतियोगिताएं बंद कर दी गई हैं।' गौर हो कि ऑनलाइन पैसे वाले खेलों और सट्टेबाजी पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक ने अब ऐसे खेलों के प्रचार और वित्तपोषण को अपराध घोषित कर दिया है, जिसके तहत अपराधियों को 5 साल तक की जेल हो सकती है। स्पोर्टस्टार के अनुसार सरकारी आंकड़े बताते हैं कि फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म ने 45 करोड़ लोगों से सालाना 2.3 अरब अमेरिकी डॉलर की ठगी की है।

फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर पाए करुण नायर, बड़े टूर्नामेंट से हो सकते हैं बाहर

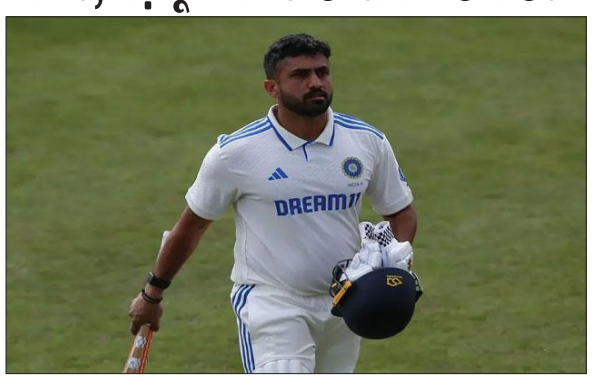

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय बल्लेबाज करुण नायर को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए इंतजार करना होगा क्योंकि बीसीसीआई ने उन्हें केएससीए महाराजा टी20 ट्रॉफी में भाग लेने से रोक दिया है। 34 वर्षीय इस खिलाड़ी को सीओई से फिटनेस क्लियरेंस नहीं मिला है इसलिए उन्हें अपनी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया जारी रखनी होगी।

नायर केएससीए महाराजा टी20 ट्रॉफी के आगामी सीजन में मैसूर वॉरियर्स के लिए खेलने वाले थे और टीम के साथ मैसूर भी गए थे। लेकिन अब वह बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में वापस लौटेंगे और बीसीसीआई से फिटनेस क्लियरेंस मिलने तक रिहैबिलिटेशन करेंगे।

नायर को इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने की शुरुआत में समाप्त हुए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवे और अंतिम टेस्ट के दौरान उंगली में गहरी चोट लगी थी। इस बल्लेबाज की उंगली में फ्रैक्चर हो गया था और अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है।

गौर है कि मैसूर वॉरियर्स के लिए यह किसी बड़े झटके से कम नही होगा क्योंकि नायर यकीनन उनके सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी थे। नायर ने पिछले सीजन में टीम को ट्रॉफी दिलाई थी और 560 रन भी बनाए थे। उन्होंने 2023 सीजन में भी बल्ले से शानदार योगदान दिया था और उस सीजन का अंत 532 रनो के साथ किया था।

इसी बीच दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन के लिए भी यह एक बड़ा झटका होगा क्योंकि नायर से टीम के मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने की उम्मीद थी। इस बल्लेबाज ने पिछले साल घरेलू सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था। यही एक मुख्य कारण था कि उन्हें लगभग 8 साल बाद भारत की टेस्ट टीम में वापस बुलाया गया था। हालांकि अब वह न केवल एक टी20 टूर्नामेंट बल्कि घरेलू क्रिकेट के एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से भी चूकने वाले है।

सूर्यकुमार की कप्तानी में एशिया कप जीत सकता है भारत, भारत के पूर्व ओपनर बल्लेबाज ने की भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि सूर्यकुमार यादव के निर्भिक नेतृत्व में मौजूदा टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम आगामी एशिया कप जीत सकती है। यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट नौ से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाएगा। टी20 प्रारूप के इस टूर्नामेंट का 2016 में पहला संस्करण जीतने वाली भारतीय टीम को ग्रुप ए में पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, ओमान और मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के साथ रखा गया है।

ग्रुप बी में श्रीलंका, हांगकांग, अफगानिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं। सहवाग ने आगामी टूर्नामेंट के प्रसारणकर्ता सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के 'रग रग में भारत' अभियान के मौके पर कहा, 'इस भारतीय टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का सही मिश्रण है। सूर्यकुमार के निर्भिक नेतृत्व में टीम एक बार फिर एशिया में अपना दबदबा बना सकती है। उनकी आक्रामक मानसिकता टी20 प्रारूप के लिए बिल्कुल उपयुक्त है और अगर टीम इसी इरादे से खेलती है तो इसमें कोई शक नहीं है कि भारत ट्रॉफी जीत सकता है।'

उन्होंने कहा, 'यह (रग रग में भारत) अभियान भारतीय क्रिकेट की धड़कन को खूबसूरती से जीवंत करता है। आप देश के किसी भी हिस्से से हों, जब भारत खेलता है तो भावनाएं हमें एकजुट करती हैं। मैं इसमें भी यही जुनून महसूस कर सकता हूं और यही जुड़ाव क्रिकेट को इतना ताकतवर बनाता है।' सूर्यकुमार एशिया कप में 15 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे जबकि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल उनके उप कप्तान होंगे। एशिया कप के सभी मैच दो स्थान दुबई और अबुधाबी में आयोजित किए जाएंगे।

एंगिडी ने झटके 5 विकेट, दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर श्रृंखला जीती

मैके (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। तेज गेंदबाज लुंगी एंगिडी के 5 विकेट से दक्षिण अफ्रीका ने शुक्रवार को यहां दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 84 रन से जीत दर्ज कर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। एनगिडी ने 42 रन देकर पांच विकेट झटके जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम 278 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 12 ओवर रहते 193 रन पर ढेर हो गई।

मिचेल मार्श की टीम घरेलू मैदान में लगातार चौथे वनडे में 200 रन के अंदर सिमट गई। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान एडेन मारक्रम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया जिसके बाद टीम ने मैथ्यू ब्रिट्जके (88 रन) और ट्रिस्टन स्टब्स (74 रन) के अर्धशतकों की मदद से 277 रन बनाए। नियमित कप्तान तेम्बा बावुमा को कार्यभार प्रबंधन के अंतर्गत आराम दिया गया था और वह श्रृंखला के रविवार को होने वाले अंतिम वनडे में टीम की अगुआई के लिए उपलब्ध होंगे। तीन मैच की श्रृंखला में लगातार दूसरी दफा ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। टीम केर्न्स में पहले वनडे में 98 रन से हारी थी।

चोटिल कागिसो रबाडा की अनुपस्थिति में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया जिसमें एनगिडी ने दूसरे ही ओवर में मार्नस लाबुशेन को आउट कर दिया। नांद्रे बर्गर ने ट्रेविस हेड का विकेट लिया। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का शॉर्ट गेंदों के खिलाफ जूझना जारी रहा और कप्तान मार्श भी पावरप्ले में मिडऑन पर लपके गए जिससे टीम ने 38 रन पर तीन विकेट खो दिए। जोश इंगलिस (87 रन) और कैमरन

ग्रीन (35 रन) ने 67 रन की साझेदारी निभाई।

बाएं हाथ के स्पिनर सेनुरान मुथुसैमी ने 23वें ओवर में ग्रीन का रिटर्न कैच लेकर इस भागीदारी का अंत किया। एलेक्स कैरी के आउट होने से ऑस्ट्रेलिया ने 133 रन पर पांचवां विकेट गंवाया। एंगिडी ने फिर निचले क्रम को झकझोर दिया। उन्होंने इंगलिस की पारी का अंत किया जिसमें 10 चौके और दो छक्के जड़े थे। इससे पहले रेयान रिकल्टन (08) और स्टब्स ने चौथे विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी निभाई।

मारक्रम स्क्वायर मिड-विकेट पर आसान कैच देकर बिना खाता खोले आउट हो गए। ब्रिट्जके ने लगातार चौथा अर्धशतक लगाया जबकि स्टब्स ने 16 वनडे में पहली बार पचास रन का आंकड़ा पार कर टीम को संभाला। ब्रिट्ज्के अपने दूसरे वनडे शतक से चूक गए। टीम ने लगातार दो विकेट गंवा दिए लेकिन फिर भी 300 रन से ज्यादा का स्कोर बनाने की ओर बढ़ रही थी। 40वें ओवर में टीम का स्कोर पांच विकेट पर 233 रन था। लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने छह ओवर के अंदर 31 रन के अंदर चार विकेट खो दिए और 46वें ओवर में स्कोर नौ विकेट पर 264 रन हो गया। वियान मुल्डर ने 21 गेंद में 26 और केशव महाराज ने नाबाद 22 रन बनाए। पर दक्षिण अफ्रीका पांच गेंद रहते 277 रन पर सिमट गया।

अश्विन ने बताया संन्यास का कारण

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दौरान अचानक ही संन्यास लेने वाले दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने अब उनके इस फैसले का कारण बताया है। अश्विन ने अपने प्रशंसकों से कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे में बेंच पर ही बैठे-बैठे थक गये गये थे। ऐसे में उनके पास संन्यास लेने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था। अश्विन के संन्यास से उनके प्रशंसक भी सकते में आ गये थे, कई लोगों ने इसके लिए कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन को जिम्मेदार बताया था। अश्विन ने संन्यास से पहले राहुल द्रविड़ से मजाक में कहा मुझे लगता है कि यह बस समय की बात थी, और मैं अपनी जिंदगी में कहां खड़ा था, है ना? मुझे लगता है कि मैं काफी बूढ़ा हो गया था, यह तो मानना ही पड़ेगा। इसके बाद उन्होंने असली वजहों को बताया और कहा कि विदेशी दौर पर लगातार बैंच पर बैठने की निराशा से वह थक गये थे। अश्विन ने कहा, टूर पर जाना और ज्यादा समय तक बाहर बैठना, आखिरकार मुझ पर हावी हो गया, इससे मेरे मन में खेल से दूर जाने के विचार आने लगे। उन्होंने कहा कि परिवार के साथ समय बिताना भी एक कारण था। साथ ही कहा, मेरा मतलब यह नहीं है कि मैं टीम में योगदान नहीं देना चाहता, बल्कि आप सोच रहे हैं कि क्या मैं घर पर रहकर बच्चों के साथ समय बिताना पसंद करूंगा। वे भी बड़े हो रहे हैं, और मैं असल में क्या कर रहा हूं? अश्विन ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बहुत पहले ही समय सीमा तय कर ली थी। उन्होंने कहा, मेरे दिमाग में हमेशा से यही था कि मैं 34-35 साल की उम्र में संन्यास ले लूंगा। उन्होंने आगे कहा कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त हो गया है पर वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे।

'उसे ज्यादा ज्ञान मत दो' : वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन से प्रभावित पूर्व भारतीय स्टार की कोचों को सलाह

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में अपने प्रदर्शन से चर्चा का विषय बने 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने मेगा नीलामी के दौरान राजस्थान रॉयल्स द्वारा 1.10 करोड़ रुपए की बोली का पूरा मुल्य अदा किया। बिहार के इस क्रिकेटर ने 7 मैचों में 252 रन बनाए जिसमें किसी भारतीय द्वारा (35 गेंदों) सबसे तेज आईपीएल शतक भी शामिल है। हाल ही में पूर्व भारतीय विकेटकीपर अंबाती रायुडू ने इस युवा बल्लेबाज की प्रशंसा की और उन्हें सीनियर पुरुष भारतीय टीम में खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। रायुडू ने सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी शैली की सराहना की और कहा कि इस आईपीएल खिलाड़ी को उचित मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए। शुभंकर मिश्रा के पॉडकास्ट पर रायुडू ने कहा, 'उसकी बल्ले की गति असाधारण है। जो उसका व्हिप आता है... मुझे उम्मीद है कि कोई इसे नहीं बदलेगा। उसे बेहतर होना चाहिए। लारा जैसा कोई... शायद जाकर उससे बात करे। उसका भी बल्ले का उठाव कुछ ऐसा ही था। इसलिए वह सीख सकता है कि जब आप डिफेंस कर रहे हों और जब आप हल्के हाथ से खेल रहे हों, तो बल्ले की गति को कैसे नियंत्रित किया जाए। इसलिए अगर वह यह सीख लेता है, तो वह एक असाधारण प्रतिभा होगा।'

आईसीसी ने महिला विश्वकप के लिए मैच स्थल में किया एक बदलाव

-बेंगलुरु के मैच मुम्बई में होंगे

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले महीने होने वाले महिला एकदिवसीय विश्व कप के लिए एक बदलाव किया है। आईसीसी ने कहा है कि अब बेंगलुरु में होने वाले मैच मुम्बई में होंगे। आईसीसी ने पांच स्थानों में से एक के रूप में बेंगलुरु को सूची से हटा दिया है। विश्वकप टूर्नामेंट 30 सितंबर से शुरू होगा जिसमें अब नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम में तीन लीग मैच, एक सेमीफाइनल खेला जाएगा। पाकिस्तान के बाहर होने पर फाइनल सहित पांच मैच यहां आयोजित किए जाएंगे। आईसीसी के अनुसार बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के उपलब्धि नहीं होने के कारण मैच स्थल को मुम्बई कर दिया गया है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा, ' अप्रत्याशित हालातों के कारण हमें कार्यक्रम में से हल्का बदलाव करना पड़ा है। हमें खुशी है कि हमारे पास 5 विश्वस्तरीय स्थान हैं, जहां महिला क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ मैच देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा, 'मंच तैयार है और मुझे विश्वास है कि यह टूर्नामेंट कल्पनाओं को साकार करते हुए प्रशंसकों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

आठ टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए अन्य मैच स्थलों में गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और कोलंबो शामिल हैं। आईसीसी ने हालांकि बेंगलुरु को हटाने के स्पष्ट कारणों के बारे में नहीं बताया है पर पूरी संभावना है कि यह परिवर्तन कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ द्वारा मेजबानी के लिए आवश्यक मंजूरी हासिल करने में असफल होने के कारण किया गया। गौरतब है कि इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल जीत की खुशी में हुए जश्न के दौरान मची भगदड़ की जांच के बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम को बड़ी प्रतियोगिताओं की मेज़बानी के लिए अयोग्य करार दिया गया था।

श्रेयस को एकदिवसीय कप्तान बनाने की कोई बात नहीं हुई : सैकिया

-तीनों ही प्रारुपों में एक ही कप्तान बनेगा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि उसका इरादा भविष्य में एक ही खिलाड़ी को टीम की कप्तानी देना है। ऐसे में इस प्रकार की रिपोर्ट गलत है जिसमें कहा गया है कि आने वाले समय में एकदिवसीय प्रारुप की कप्तानी श्रेयस अय्यर को सौंपी जाएगी। शुभमन अभी टेस्ट कप्तान और टी20 में उप्तान बनाये गये हैं और भविष्य में उनके ही तीनों प्रारुपों की कमान संभालने की उम्मीद है। वहीं इससे पहले कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि बोर्ड अय्यर को एकदिवसीय कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा की जगह पर रखना चाहता है। इसमें कहा गया था कि शुभमन को भविष्य में सूर्यकुमार यादव के बाद टी20 की भी कप्तानी सौंपी जाएगी और अय्यर एकदिवसीय की जिम्मेदारी संभालेंगे पर बीसीसीआई ने उन रिपोर्ट्स को गलत बताया है। बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं हुई है। साथ ही कहा कि आगे चलकर तीनों ही प्रारुपों की कमान एक ही खिलाड़ी को मिल सकती है। रोहित अभी 38 साल के हैं और उनका कैरियर समाप्त होने की ओर है। उन्होंने टी20 और टेस्ट क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया है। ऐसे में उनकी नजर 2027 के एकदिवसीय विश्वकप पर है। इस प्रारुप में वह अभी भी विश्व के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में हैं। हालांकि, बढ़ती उम्र की वजह से वह अगले विश्व कप तक खेल पाएंगे इसकी संभावना बेहद कम है। ऐसे में श्रेयस एकदिवसीय में रोहित के उत्तराधिकारी के लिए दावेदार तो हैं प वह बोर्ड की पहली पसंद नहीं हैं। उनकी जगह पर वर्तमान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल एकदिवसीय कप्तानी के लिए पहली पसंद हैं। शुभमन का एकदिवसीय में 59 का औसत है और पहले से ही टीम के उपकप्तान हैं। उनकी उम्र भी अभी 25 साल ही है और उनके सामने लंबा समय है। ऐसे में उनके भविष्य में एकदिवसीय कप्तान बनने की सबसे ज्यादा उम्मीद हैं।

भारतीय टीम एशिया कप में नहीं खेले तो भी हमें परेशानी नहीं : अकरम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने कहा है कि भले ही एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला न हो पाये पर खेल चलते रहने चाहिये। अकरम ने कहा कि एशिया कप का कार्यक्रम घोषित हो गया है और इस पर भारतीय प्रशंसकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हो रही है पर हम शांत हैं। हम खेलें या न खेलें, हमें कोई दिक्कत नहीं होगी। खेल जारी रहना चाहिए। इस बार एशिया कप में भारत और पाकिस्तान को ग्रुप ए में यूएई और ओमान के साथ रखा गया है। दोनों टीमों के बीच 14 सितंब को दुबई में मैच खेला जाएगा। वहीं इस मैच का काफी विरोध भी हो रहा है और प्रशंसक इसे रद्द करने की मांग कर रहे हैं। पाक के साथ मैच खेलने को लेकर टीम इंडिया को भारी विरोध का सामना करना पड़ा रहा है क्योंकि क्रिकेट प्रशंसकों का कहना है कि पहलगाम हमले को देखते हुए पाक के साथ सभी सभी प्रकार के खेल संबंध तोड़ देने चाहिये। उनका कहना है कि जिस प्रकार इंडिया चैंपियंस टीम ने लंदन में हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान चैंपियंस के साथ खेलने से इनकार कर दिया था। वैसा ही कुछ एशिया कप में भी होना चाहिये। एशिया कप में हालांकि भारतीय टीम के खेलने पर फैसला क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार करेगा। बीसीसीआई ने एशिया कप के लिए पहले ही सहमति दे दी है इसलिए वह अब मैच के बहिष्कार की बात कहेगा इसकी संभावना काफी कम है। अकरम ने कहा कि भारत में प्रशंसकों के बहिष्कार की अपील से पाकिस्तान परेशान नहीं है और चाहे भारतीय टीम उनके साथ एशिया कप में खेले या नहीं, उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अकरम ने कहा कि एशिया कप का कार्यक्रम घोषित हो गया है और इस पर भारतीय प्रशंसकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हो रही है पर हम शांत हैं। हम खेलें या न खेलें, हमें कोई दिक्कत नहीं होगी। खेल जारी रहना चाहिए। अकरम ने हालांकि कहा कि, वह भारत और पाकिस्तान के बीच एक टेस्ट सीरीज देखना चाहते हैं। गौरतब है कि दोनों टीमों ने एक दशक से ज्यादा समय से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है। दोनों टीमों के बीच अंतिम बार टेस्ट सीरीज 2007-08 में हुई थी।

एशिया कप में भारत-पाक मुकाबले पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर का बयान, आश्चर्य हुआ कि यह मैच होने जा रहा है

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) (एजेंसी)। एशिया कप 2025 से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने भारत-पाकिस्तान मुकाबला खेला जाना चाहिए या नहीं, इस पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत आश्चर्य हुआ कि यह मैच पहलगाम आतंकी हमले के बाद हो रहा है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ हाई-वोल्टेज मैच 14 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा। दोनों मैच दुबई में खेले जाएंगे। भारत अपना अंतिम ग्रुप चरण का मैच 19 सितंबर को अबू धाबी में ओमान के खिलाफ खेलेगा।

यह लोकप्रिय क्रिकेट मैच होना चाहिए या नहीं, यह सवाल टूर्नामेंट से पहले एक बड़ा विवाद रहा है, खासकर तब जब भारतीय दिग्गज टीमों ने हाल ही में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (WCL) में पाकिस्तान के खिलाफ अपने मैच नहीं खेले थे। चूंकि यह एक बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट है और इसमें खिताब दांव पर लगा है, इसलिए इस मैच के आयोजन का समर्थन करने वालों की आवाजें उठ रही हैं, लेकिन एक बड़ा वर्ग इस मैच के बहिष्कार की भी मांग कर रहा है।

इसका कारण ऑपरेशन सिंदूर है, जो 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान समर्थित आतंकी समूहों के खिलाफ मई में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किया गया था। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ढांचे पर लक्षित हमले किए जिसके परिणामस्वरूप जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे समूहों से जुड़े 100 से ज़्यादा आतंकवादी मारे गए।

भारत-पाकिस्तान मैच के बारे में हुए मनोज तिवारी ने कहा, 'मुझे थोड़ा आश्चर्य हो रहा है कि यह मैच होने जा रहा है... पहलगाम हमले के बाद जिसमें कई निर्दोष नागरिक मारे गए थे, और उसके बाद हुए युद्ध के बाद बहुत सी बातें चल रही थीं कि इस बार हम करारा जवाब देंगे। इसके बावजूद कुछ महीनों बाद सब कुछ भुला दिया गया... मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि यह मैच हो रहा है, मानव जीवन का मूल्य शून्य हो सकता है। वे पाकिस्तान के साथ खेलकर क्या हासिल करना चाहते हैं?... मानव जीवन का मूल्य खेल से बढ़कर होना चाहिए... मेरे मैच देखने का तो सवाल ही नहीं उठता...'

एशिया कप 2025 के लिए मंगलवार को भारतीय टीम की घोषणा की गई जिसमें कप्तान सूर्यकुमार टीम की कमान संभालेंगे और शुभमन गिल उप-कप्तान होंगे, जबकि कई बड़े नाम गायब हैं। टीम की घोषणा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई, जिसमें टी20 कप्तान सूर्यकुमार और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर शामिल हुए। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस एक चयन बैठक के बाद आयोजित की गई थी जिसमें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सचिव देवजीत सैकिया भी शामिल थे। मुख्य टीम में शीर्ष क्रम में यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर जैसे कुछ बड़े

नाम गायब हैं जिन्होंने इस साल राजस्थान रॉयल्स (RR) और पंजाब किंग्स (PBKS) के लिए शानदार आईपीएल सीजन खेले। जायसवाल को ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर, ऑलराउंडर रियान पराग, तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल के साथ रिजर्व में हैं।

एशिया कप के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुबमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रित बुमरा, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह

रिजर्व खिलाड़ी : प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जयसवाल।

यूपी टी20 लीग क्रिकेट टूर्नामेंट : रिंकू ने तेजी से शतक लगाकर मेरठ मावरिक्स को जीत दिलायी, एशिया कप से पहले फार्म में आये

लखनऊ। बल्लेबाज रिंकू सिंह ने यहां जारी यूपी टी20 लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में तेजी से अर्धशतक लगाकर अपना पुराना फार्म हासिल कर लिया है। इस टूर्नामेंट में मेरठ मावरिक्स की कप्तानी कर रहे रिंकू ने गोरखपुर लायंस के खिलाफ मुकाबले में शतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। रिंकू ने अपनी इस पारी में जमकर चौके और छक्के लगाये। उन्होंने 48 गेंदों पर 8 छक्के और 7 चौके के साथ ही नाबाद 108 रन बनाए। रिंकू जब बल्लेबाजी के लिए उतरे थे जब उनकी टीम ने 38 रनों पर ही 4 विकेट खो दिये थे। इसके बाद रिंकू ने आक्रामक रुख अपनाते हुए आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। रिंकू ने इसी के साथ ही एशिया कप के लिए भी अपने चयन को भी सही साबित किया है। इस मैच में मेरठ मावरिक्स की टीम को जीत किए 168 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए रिंकू की टीम ने 8 ओवर में 38 रनों पर ही चार विकेट खो दिये। उसके शीर्ष क्रम के चार बल्लेबाज 15 रन भी नहीं बना पाये। इसके बाद रिंकू ने युवराज सिंह के साथ मिलकर पांचवे विकेट के लिए 65 गेंदों पर ही 130 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। युवराज सिंह ने भी 22 गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाकर रिंकू का अच्छा साथ निभाया। रिंकू ने मेरठ मावरिक्स की पारी के 19वें ओवर की शुरुआती 3 गेंदों पर छक्के लगाकर मैच पलट दिया। इससे पहले उन्होंने 18वें ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाया था। वहीं गोरखपुर लायंस ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुएक ान ध्रुव जुरेल के 38 रनों की सहायता से 9 विकेट पर 167 रन बनाए थे। ध्रुव के अलावा अन्य सभी बल्लेबाज विफल रहे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरसों की फसल में लगने वाले मुख्य कीट एवं उनका नियंत्रण

देश में रबी फसलों में सरसों की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है, सोयाबीन, मूंगफली के बाद सरसों की खेती देश भर में सबसे ज्यादा होती है। खाद्य तेल के रूप में सरसों की मांग अधिक रहने के कारण पिछले कुछ वर्षों से किसानों को सरसों की खेती से अच्छा मुनाफा हो रहा है। सरसों का अच्छा उत्पादन कई कारणों पर निर्भर करता है जैसे मिट्टी, जलवायु, बीज, रोग तथा कीट। कीट एवं रोगों का प्रभाव सीधे सरसों के उत्पादन पर होता है इसलिए किसानों को समय पर इनकी पहचान कर उन पर नियंत्रण पाना आवश्यक है।

सरसों की फसल में समय-समय पर विभिन्न कीट एवं रोग काफी नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे उपज में कमी आती है। यदि समय रहते इन रोगों एवं कीटों का नियंत्रण कर लिया जाए तो सरसों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। चेंपा या माहू, आरामक्खी, चितकबरा कीट, मटर का पर्ण सुरंगक कीट आदि सरसों के मुख्य कीट हैं।

सरसों का माहूं (चैपा /मोयला /एफिडा) कीट

सरसों का माहू छोटा, लंबा व कोमल शरीर वाला कीट है। प्रौढ़ माहूं दो अवस्थाओं में पाया जाता है-पहला पंखरहित और दूसरा पंखसहित। पंखरहित प्रौढ़ 2 मि.मी. लंबे, गोलाकार व हरे रंग के या हल्के हरे पीले रंग के होते है। पंखसहित प्रौढ़ पीले उदर वाले व पंख पारदर्शी होते हैं। शिशु पंखरहित अवस्था के समान होते हैं, परन्तु आकार में छोटे होते हैं। दो नलीनुमा संरचनाएं (कोर्निक्ल्स) उदर के अंतिम भाग में उपस्थित होती है।

हानि के लक्षण

ये कीट प्राय-दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह में प्रकट होते हैं और मार्च के अंत तक सक्रिय रहते हैं और मार्च के अंत तक विभिन्न भागों जैसे - पुष्पक्रम, पत्ती, तना, टहनी व फलियों से रस चूसकर नुक्सान पहुंचाते हैं। ये कीट समूहों में रहते हैं व तीव्रता से वंशवृद्धि करते हैं। माहूं पहले फसल की वानस्पतिक कलिका पर प्रकट होते हैं व धीरे-धीरे पुरे पौधे को ढक लेते हैं। ये कीट मधुस्राव निकालते हैं और पौधों पर काले कवक का आक्रमण हो जाता है। तना व पत्तियाँ काली हो जाती हैं, जिससे प्रकाश संश्लेषण में बाधा आती है। इस प्रकाश यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। बादालयुक्त व ठंडा मौसम वंशवृद्धि के लिए अत्यंत उपयुक्त होता है।

समन्वित कीट प्रबंधन

जहाँ तक संभव हो सरसों की बुआई 15 अक्टूबर तक कर देनी चाहिए, इससे फसल माहूँ के प्रकोप से बच जाती है। उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा का ही प्रयोग करना चाहिए।

माहूँ के प्राथमिक आक्रमण पर 10 दिनों के अन्तराल पर 2-3 बार माहूँ ग्रसित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर देने से माहूँ की वंशवृद्धि को कम किया जा सकता है।

फसल में कम से कम 10 प्रतिशत पौधे माहूँ से ग्रसित हों तथा प्रत्येक पौधे पर 26 से 28 माहूँ हों, तभी छिड़काव करना चाहिए।

ऑक्सी-डेमेटान मिथाइल (मेटासिस्टाक्स) 25 पायस सांद्रण अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण अथवा मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्र को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें

अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। यदि दोबारा से कीट का प्रकोप हो तब 15 दिनों के अन्तराल से पुनः छिड़काव करें।

यह भी पढ़ें कृषि शक्ति योजना-मध्यप्रदेश

सरसों की आरा मक्खी

इस कीट की प्रौढ़ मक्खी 8-11 मि.मी. लंबी, पीले-नारंगी रंग की ततैया की तरह होती है। इसके पंख धूसर रंग के व काली शिरायें लिए हुए होते हैं। इसका अंडरोपक दांतेदार व आरिनुमा होता है इसलिए इसे आरा मक्खी कहते हैं। सर व टाँगे काली होती है। इसकी सुंडी गहरे हरे रंग की होती है, जिसकी पीठ पर पांच लंबवत धारियां होती है।

हानि के लक्षण

यह कीट मुख्य रूप से फसल की पौधावस्था (अक्टूबर-नवंबर) में ही नुक्सान पहुंचाता है। सूंडी, पत्तियों को काटकर उनमें अनियमित आकार के छेद कर देती हैं। अधिक प्रकोप की अवस्था में पौधे को कंकालित कर देती हैं। फसल में आक्रमण पौधावस्था में अधिक होता है और 3-4 सप्ताह पुरानी फसल में ज्यादा नुक्सान होता है। मध्य जलवायु और कम आर्द्रता इसकी वंशवृद्धि के लिए अनुकूल है।

समन्वित कीट प्रबंधन

स्वच्छ कृषि क्रियाएं (खरपतवार नियंत्रण, वैकल्पिक पोषक पौधे व फसल अवशेषों आदि को नष्ट करना) अपनाना चाहिए।

गर्मियों के दिनों (मई-जून) में खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

फसल लगभग एक माह की हो जाए तब सिंचाई करनी चाहिए। इससे इस कीट की सूंडी पानी में डूबकर मर जाती है।

इस कीट के प्रकोप की अवस्था में मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करना चाहिए।

मटर का पर्ण सुरंगक कीट

प्रौढ़ मक्खी छोटी काले रंग की होती है और इसका सिर पिला होता है। प्रौढ़ मक्खी की लंबाई 1.5 मि.मी., पंख विन्यास लगभग 4 मि.मी. व घरेलू मक्खी के समान परन्तु आकार में छोटी होती है। नए मेगेट्स कीट धूसर सफेद रंग के होते हैं और इनके मुखांग काले भूरे रंग के होते हैं। पूर्ण विकसित कीट हरा पीला रंग का लगभग 3 मि.मी. चौड़ा, जिनका मध्य भाग मोटा और आगे से चपटा होता है। कीट पत्ती में सुरंग के अंदर रहता है और सुरंग में ही कृमिकोष में चला जाता है।

हानि के लक्षण

पौधे की पत्तियों में प्रौढ़ मादा के अन्डरोपक से अंडे देने के लिए छोटे-छोटे छेद करती है। प्रौढ़ मादा व नर इन छेदों से निकलने वाले रस को चूसते हैं। ये कीट पत्ती के पैरेनकाइमा ऊतकों को खाकर टेढ़ी-मेढ़ी सुरंग बनाते हैं। अत्यधिक ग्रसित पत्तियां पीली होकर गिर जाती है व उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। अधिक प्रकोप की दशा में ग्रसित पत्तियां छितर जाती हैं। पौधों का ओज प्रभावित होता है और पुष्पं एवं फलन गतिविधियाँ प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप प्राय-पुरानी पत्तियों पर अधिक होता है।

समन्वित कीट

ग्रसित पत्तियों को तोड़कर जमीन में दबा देना चाहिए, ताकि पत्तियों में छिपे कीट व कृमिकोष नष्ट हो जाएं।

ऑक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 पायस सांद्रण या डाइमिथोएट 30 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

चितकबरा कीट

प्रौढ़ कीट के शरीर के ऊपर काले व चमकीले नारंगी रंग के धब्बे होते हैं। प्रौढ़ 6.5-7.0 मि.मी. चौड़ा व पूर्ण विकसित शिशु 4 मि.मी. लंबा व 2.6 मि.मी. चौड़ा होता है। इन पर भूरी धारियां पाई जाती हैं। पहली व दूसरी अवस्था शिशु कीट का रंग चमकीला नारंगी और तीसरी व चौथी अवस्था का रंग लाल होता है। मुखांग चुभाने-चूसने वाले एवं पश्चोंमुखी होते हैं।

हानि के लक्षण

ये कीट फसल के छोटे-छोटे पौधों को या पौध अवस्था में अधिक नुक्सान पहुंचाते है। शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही पौधे की पत्तियों एवं प्ररोह से रस चूसकर हानि पहुंचाते हैं। फसल की दो पत्ती अवस्था में नुक्सान होने पर ग्रसित उपरी भाग मुरझाकर सुख जाता है। वानस्पतिक अवस्था में प्रकोप के समय पत्तियों पर सफेद धब्बे हो जाते हैं। पौधे का विगलन हो जाता है व पौधे पूर्णत- सुख जाते हैं। दोनों मामलों में फसल की दोबारा बुआई आवश्यक हो जाती है। यह कीट फली बनने व पकने की अवस्था में भी आक्रमण करता है, जिससे फलियाँ व दाने सिकुड़ जाते हैं। खलिहानों में कटी हुई फसल पर इन कीटों का आक्रमण व हानि को देखा जा सकता है। इस प्रकार यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। मध्यम तापमान 20 से 40 डिग्री सेल्सियस व कम आर्द्रता इस कीट के गुणन के लिए उपयुक्त है।

समन्वित कीट प्रबंधन

खेत में साफ़-सफाई रखनी चाहिए। खेतों के आसपास खरपतवार तथा फसल अवशेषों को नष्ट कर देना चाहिए।

खेतों की गर्मियों के दिनों (मई-जून) में मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

बुआई के 3-4 सप्ताह बाद यदि संभव हो, तो पहली सिंचाई कर देनी चाहिए।

पौधावस्था में इस कीट का आक्रमण होने पर क्यूनालफॉस 10 प्रतिशत अथवा मैलाथियान 5 प्रतिशत धुल की 20-25 किलोग्राम मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

अत्यधिक प्रकोप की अवस्था में मेलाथियान 50 पायस अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण की एक लीटर अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. की 150 मि.ली.मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

फसल का रंग सुनहरा होने पर ही कटाई कर लेनी चाहिए। फसल की जल्द से जल्द मड़ाई कर लेनी चाहिए, जिसमें अधिक हानि न हो व पादप अवशेषों को तुरंत नष्ट कर देना चाहिए।

अधिक लाभ के लिए करें बेबीकॉर्न की खेती

कृषि क्षेत्र में किसान नई फसलों एवं नई किस्मों की वैज्ञानिक तरीके से खेती कर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। कृषि के क्षेत्र में फसलों का चयन बाजार मांग के आनुसार करना चाहिए, जिससे किसानों को उचित भाव मिल सकें। आज के समय में लोगों के बीच स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ बेबीकॉर्न की खपत में निरंतर वृद्धि हो रही है। इस वजह से इस फसल का बाजार मूल्य भी अधिक है एवं इससे बहुत से उत्पाद बनाए जाते हैं।

बेबीकॉर्न मक्का की ही एक प्रजाति है, लेकिन इसकी उपयोगिता के आधार पर बेबीकार्न नाम दिया गया है। बाजार में मांग के अनुसार किसानों के बीच खेती की प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। पौधे का अनिषेचित भुट्टा होता और रेशमी बाल (सिल्क) निकलने के 2-3 दिनों के अंदर तोड़कर उपयोग में लाया जाता है। यह काफी मुलायम होता है। समय बढने के साथ इसकी गुणवत्ता में गिरावट आती जाती है।

बेबीकॉर्न से होने वाले लाभ

यह एक स्वादिष्ट व पौष्टिक आहार है, पत्तियों में लिपटा होने के कारण यह कीटनाशक दवाइयों के प्रभाव से मुक्त होता है। इस कारण यह स्वास्थ्य की द्रष्टि से एकदम सुरक्षित है। बेबीकॉर्न का उपयोग सलाद, सूप, सब्जी, अचार एवं कैंडी, पकौड़ा, कोफ्ता, टिक्की, बर्फी, लड्डू, हलवा, खीर इत्यादि के रूप में होता है। बेबीकॉर्न में फास्फोरस भरपूर मात्रा उपलब्ध होता है। इसके लिए अतिरिक्त इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्सियम, लौह व विटामिन भी उपलब्ध हैं। कोलेस्ट्रोल रहित होने एवं रेशों की अधिकता के कारण यह एक निम्न कैलोरीयुक्त आहार है। यह ह्रदय रोगियों के लिए काफी लाभदायक है।

मृदा का चयन एवं खेती की तैयारी

बेबीकॉर्न की खेती के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त दोमट मृदा अच्छी होती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा शेष जुताई देसी हल/रोटावेटर या कल्टीवेटर द्वारा करके पाटा लगाकर खेत को तैयारी कर लेना चाहिए। बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी के साथ-साथ खेत पलेवा करके तैयार करना चाहिए।

बुवाई समय एवं विधि

उत्तर भारत में बेबीकार्न फरवरी से नवंबर के मध्य कभी भी बोया जा सकता है। बुवाई मेड़ों के दक्षिणी भाग में करनी चाहिए तथा मेड़ से मेड़ एवं पौधे से पौधे की दुरी 60 से.मी. म 15 से.मी. रखनी चाहिए। विभिन्न किस्मों के बीजों के आकार के अनुसार प्रति हैक्टेयर 22-25 किलोग्राम बीज दर उपयुक्त होती है।

उर्वरक प्रबंधन

अच्छी उपज के लिए उर्वरक का सही उपयोग होना चाहिए। फास्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं 1/3 भाग नाईट्रोजन, बुआई के समय एवं 1/3 भाग बुआई के 25 दिनों बाद तथा शेष 1/3 भाग नाईट्रोजन 40 दिनों बाद डालना चाहिए। फॉस्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं द भाग नाईट्रोजन बुआई के समय, द भाग नाईट्रोजन बुआई के 25 दिनों के बाद द भाग 60-80 दिनों के उपरांत तथा शेष नाईट्रोजन 80-110 दिनों के बाद देनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

पहली निराई-गुडाई बुआई के 15-20 दिनों बाद तथा दूसरी 30 से 35 दिनों बाद अवश्य करनी चाहिए। इससे जड़ों में हवा का संचार होता है और ये दूर तक फैलकर भोज्य पदार्थ एकत्र करके पौधों को देती हैं। सीमाजीन 105 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर को 500-600 लीटर पानी में घोलकर बीज के अंकुरण के पूर्व खेत में छिडकाव करने से खरपतवार नहीं जमते और फसल तेजी से बढती है।

बेबीकॉर्न की तुड़ाई का सही समय

मक्के की बेबीकार्न की गुल्ली को 3-4 से.मी. सिल्क (जीरा) आने पर तोड़ लेना चाहिए। गुल्ली तुडाई के समय ऊपर की पत्तियों को नहीं हटाना चाहिए। पत्तियों को हटाने से ये जल्दी खराब हो जाती है। रबी में एक दो दिन छोड़कर गुल्ली की तुडाई करनी चाहिए। एकल क्रांस संकर मक्का में 3- 4 तुड़ाई जरुरी है।

कितनी उपज प्राप्त होगी

इस तरह खेती करने से बेबीकॉर्न की छिलकारहित उपज 15-20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर प्राप्त होती है। इसके अलावा 200-250 क्विंटल प्रति हैक्टेयर हरा चारा भी मिल जाता है।बेबीकार्न का छिलका तुडाई के दिन उतारकर प्लास्टिक की टोकरी, थैली या कंटेनर में रखकर तुरंत मंडी में पहुंचा देना चाहिए।

बेबी कॉर्न के साथ लगाएं अंतःफसल

रबी में बेबीकॉर्न के साथ आलू, मटर, राजमा, मेथी, धनिया, गोभी, शलजम, मूली, गाजर इत्यादि अंतःफसल के रूप में ली जाती है। अंतःफसल से जो उपज प्राप्त होती है वह अतिरिक्त लाभ होता है।

स्ट्राबेरी

स्ट्राबेरी एक स्वादिष्ट, लुभाने वाला तथा पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन सी तथा लोहा बहुतायत में होते हैं।

साधारणत: हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र में पैदा किया जाता है।

किस्में : वान्डलर, गुरिल्ला, टियोगा, सीस्कैप, स्वीटचार्ली, डाना, टोरे, सेल्वा, बेलरूपी, फर्न, पजारो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना - स्ट्राबेरी का प्रवर्धन मुख्य रनर (लता को पकड़ने वाली नोक) द्वारा किया जाता है जाकि कायिक प्रवर्धन का एक भाग है। एक पौधे से 7-10 रनर प्राप्त होते हैं। बड़े स्तर पर प्रवर्धन के लिए सूक्ष्म प्रवर्धन (ऊतक प्रवर्धन) का प्रयोग करते हैं। इस विधि से पूरे वर्ष पौधे प्राप्त करते हैं।

सस्य क्रियाएँ - भूमि को तैयार करना स्ट्रबेरी की खेती के लिए जरूरी होता है। भूमि को जोतकर सममतल बनाते हैं। रनर का रोपक समय सितम्बर-अक्टूबर है। रोपक करते समय यह ध्यान रहे कि रनर स्वस्थ,, कीट एवं बीमारी रहित होने चाहिए। चार तरीके से इसका रोपक करते हैं, जैसे- मैटिड से, स्पेस्ड से, हिल तथा प्लास्टिक फिल्म।

उर्वरण व खाद : भिन्न-भिन्न खद एवं उर्वरण की दर अलग-अलग राज्यों के लिए निर्धारित की गई है जिसमें हिमाचल प्रदेश के लिए खाद व उर्वरण को इस प्रकार निर्धारित किया गया है - 50 टन सड़ी हुई गोबर की खाद, 40 कि.ग्रा. फॉस्फोरस, 40 कि.ग्रा. पोटाश को भूमि तैयार करने समय डालते हैं। नत्रजन (80 कि.ग्रा.) को दो भागों में बांटका एक भाग को सितम्बर और दूसरे भाग को फुल आते समय देना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण - खरपतवार नियंत्रण के लिए 3-4 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है। इयूरान रसायन 5 कि.ग्रा./है. का एक छिड़काव फसल की गुड़ाई के बाद करें।

तुड़ाई एवं उपज - स्ट्राबेरी की तुड़ाई फलों के आधे से तीन चौथाई भाग के रंग बदलने के पश्चात् करते हैक। फलों का पकना गर्म मौसम में शीध्र होता है। फल की तुड़ाई डण्ठल सहित सुबह के समय करते हैं। इसकी उपज 90 क्विंटल/है. आंकी गई है। अच्छे उवरण प्रबंध द्वारा इसकी उपज 175-200 क्विंटल/है. तक होती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

फलों की सतह का 2/3 हिस्सा लाल रंग का होने पर तुड़ाई करे।

छंटाई करके फलो को प्लास्टिक की पत्रेट (200 ग्राम) में पैक करें।

पत्रेट को सिंगल लेयर सीएफबी बॉक्य में रखें।

फलों को शीत गृह मे 4-5 डिग्री से. तापमान व 85-90 प्रतिशत आर्द्रता पर 20-25 दिन के लिए भण्डारित करें।

फलों से जैम, जेली, आईसक्रीम आदि उत्पाद तैयार करें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट

ये लाल रंग के माइट पत्तों की निचली सतह से रस चूसते हैं जिससे पत्तों पर धब्बे बन जाते हैं तथा उनकी वृद्धि रूक जाने से उपज कम हो जाती है।

2. थ्रिप्स

थ्रिप्स पौधे के पत्तों व फलों से रस चूसकर हानि पहुँचाते हैं। इनसे फसल के बचाव के लिए एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या कार्बेरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 ग्राम/लिटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

3. पत्ती सूत्रकृमि (लीफ नेमाटोड)

यह सूत्रकृमि पौधे के नए फलों को नुसान पहुँचाता है जिससे ये टेढ़े-मेढ़े हो जाते हैं तथा इन पर स्लेटी रंग के धब्बे बन जाते हैं। पौधों की वृद्धि पर बुरा प्रभाव पड़ने से ऊपर काफी कम हो जाती है।

प्रबंधन

1. खेत की मिटटी का निर्जर्मीकरण करें।
2. रोपाई से पहले पौधे को 5 मिनट के लिए इसाजोफॉस 50 ई.सी. के 2 प्रतिशत घोल में डुबोएँ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महुआ मोइत्रा ने योगी पर तंज कसते हुए कहा... थोड़ी तो शर्म कीजिए

कोलकत्ता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने शुक्रवार सुबह गाय की तस्वीरों के साथ कुछ ऐसा लिखा जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। महुआ ने एक सरकारी गाय आश्रय केंद्र की तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में शेल्टर होम की गंदगी और बीमार गायें नजर आ रही हैं। महुआ मोइत्रा ने लिखा है कि ये ग्रेटर नोएडा स्थित गाय शेल्टर होम का हाल है। गाय मुख्यमंत्री योगी को बहुत प्रिय हैं। मोइत्रा ने यूपी के पशुपालन विभाग को टैग कर लिखा है थोड़ी तो शर्म कीजिए। बता दें कि महुआ पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर सीट से सांसद हैं। वह लोकसभा में अपने तेवर के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर कई मुद्दों पर मोदी सरकार की घेराबंदी करती दिखाती हैं।

आतंकी संबंधों के आरोप में दो सरकारी कर्मचारियों बर्खास्त

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकी संबंधों के आरोप में दो सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया है। यह कार्रवाई भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311 (2)(सी) के तहत की गई है। बर्खास्त किए गए दो कर्मचारियों में एक कुपवाड़ा के करनाह का एक शिक्षक और दूसरा कुपवाड़ा के केरन का एक सहायक स्टॉकमैन था। जांच में यह साबित हुआ कि दोनों कर्मचारी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के लिए काम कर रहे थे। कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों ने उनके खिलाफ आपत्तिजनक सबूत जुटाए थे। अगस्त 2020 में उपराज्यपाल का पद संभालने के बाद से, सिन्हा आतंकवाद को जड़ से खत्म करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने आतंकवादियों के साथ-साथ उनके मददगार नेटवर्क, जिन्हें ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) और सरकारी संस्थानों में मौजूद उनके समर्थकों के रूप में जाना जाता है, को भी निशाना बनाया है। 2020 से 2024 के बीच सुरक्षा बलों ने सैकड़ों आतंकवादियों को मार गिराया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) का उपयोग करते हुए, 70 से अधिक इसतरह के व्यक्तियों को सरकारी नौकरियों से बर्खास्त किया गया है।

बेंगलुरु में कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र पप्पी और उनके भाइयों के आवासों पर छापेमारी

बेंगलुरु (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गेमिंग एप में कथित अवैध धन हस्तांतरण की जाँच के तहत चित्रदुर्ग जिले के चल्लकेरे कस्बे में कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र पप्पी और उनके भाइयों के आवासों पर छापेमारी की। ईडी अधिकारियों के अनुसार, चित्रदुर्ग, बेंगलुरु और गोवा सहित 17 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई है। 20 वाहनों में सवार 40 से अधिक ईडी अधिकारियों ने केसी नागराज और केसी टिप्पेस्वामी के घरों सहित वीरेंद्र से जुड़ी कई संपत्तियों की तलाशी ली। यह कार्रवाई 2016 में वीरेंद्र के आवास पर आयकर विभाग के छापे के वर्षों बाद हुई है, जिसमें एक बाथरूम में छिपाकर रखे गए 5 करोड़ रुपये से अधिक नकद और 30 किलोग्राम सोना बरामद हुआ था। ईडी सूत्रों का आरोप है कि वीरेंद्र की कंपनियों रत्ना गोल्ड, रत्ना मल्टी सोर्स, पप्पी टेक्नोलॉजी और रत्ना गेमिंग सॉल्यूशंस का इस्तेमाल गेमिंग एप से जुड़े अवैध धन हस्तांतरण के लिए हुआ था। गौरतलब है कि 2016 में, विधायक वीरेंद्र, जो तब जेडी(एस) पार्टी में थे, को आयकर विभाग द्वारा उनके बाथरूम में एक गुप्त कक्ष में 5.70 करोड़ के नए नोट छिपाने के बाद गिरफ्तार किया था।

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के अध्यक्ष ने मीडिया आउटलेट्स को भेजा नोटिस

हैदराबाद (एजेंसी)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड के अध्यक्ष और तेलुगु समाचार चैनल के प्रमुख, बोलिनेनी राजगोपाल नायडू ने दो मीडिया हाउस को कानूनी नोटिस भेज दिया है। उन्होंने उन पर 10 और 14 अगस्त, 2025 को प्रकाशित हुई खबरों के माध्यम से अपनी और टीटीडी बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने का आरोप लगाया है। नोटिस में नायडू ने आरोप लगाया है कि वाईएसआरसीपी प्रमुख और पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी के स्वामित्व वाले इन मीडिया आउटलेट्स ने दुर्भावनापूर्ण और झूठी रिपोर्टिंग की है। उनका दावा है कि यह उनके खिलाफ एक बड़ी साजिश का हिस्सा है, क्योंकि उनका मीडिया हाउस निष्पक्ष समाचार कवरेज देता है, जिससे दूसरे प्रबंधन कथित तौर पर खुश नहीं है। नायडू का कहना है कि रिपोर्टिंग से न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा को ठेस पहुँची है, बल्कि दुनिया भर में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के भक्तों की भावनाओं को भी चोट पहुँची है। नायडू के वकील ने 18 अगस्त को साक्षी प्रबंधन को कानूनी नोटिस जारी किया था, जिसमें निम्नलिखित माँगें की गई हैं कि टीवी और समाचार पत्र को बिना शर्त माफी मांगनी होगी। और टीटीडी बोर्ड को 10 करोड़ का हर्जाना देना होगा।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए दो सीनियर अधिकारियों को आयोग ने पर्यवेक्षक नियुक्त किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया की निगरानी के लिए अतिरिक्त सचिव स्तर के दो सीनियर अधिकारियों को पर्यवेक्षक बनाया है। उपराष्ट्रपति पद के लिए 9 सितंबर को मतदान होना है। सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्ष दोनों ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, एनडीए के उम्मीदवार हैं जबकि इंडिया ब्लॉक ने जस्टिस (सेवानिवृत्त) बी सुदर्शन रेड्डी अपना कैंडिडेट बनाया है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने का आखिरी दिन था, जबकि उम्मीदवार 25 अगस्त तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर 21 जुलाई को मॉनसून सत्र के पहले दिन जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद उपराष्ट्रपति का पद खाली हो गया था।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से खुश मेनका गांधी... आक्रामक कुत्ते की परिभाषा तय होनी चाहिए

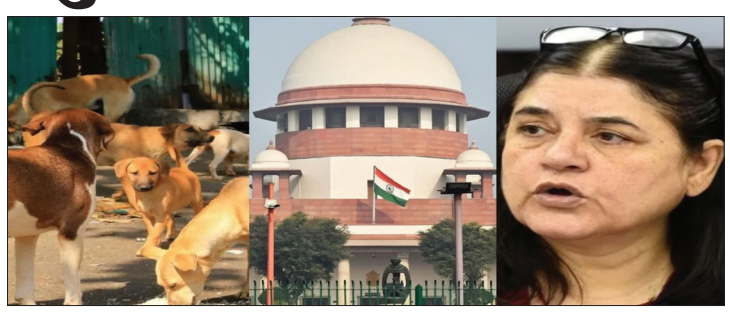

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में आवारा कुत्तों से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त के अपने पुराने आदेश को संशोधित कर कहा है कि नसबंदी और टीकाकरण के बाद कुत्तों को उसी इलाके में छोड़ा जाएगा जहां से उन्हें पकड़ा गया था। हालांकि, जिन कुत्तों में रेबीज के लक्षण हैं या जो आक्रामक व्यवहार करते हैं, उन्हें शेल्टर होम में ही रखा जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि, नसबंदी और टीकाकरण के बाद कुत्तों को वापस उसी जगह छोड़ा जाएगा, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। जिन कुत्तों में रेबीज के लक्षण हैं या जो आक्रामक हैं, उन्हें शेल्टर में अलग रखा जाएगा। इतना ही नहीं सार्वजनिक जगहों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर रोक रहेगी। इसके लिए नगर निगमों को हर वार्ड में फीडिंग ज़ोन बनाना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पशुपालन विभागों के सचिवों को नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर राष्ट्रीय स्तर की नीति बनाने के लिए सुझाव मांगे हैं। देशभर की हाई कोर्ट्स में आवारा कुत्तों से जुड़े जितने भी मामले लंबित हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतरित करने का आदेश दिया गया है।

वहीं सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का पशु अधिकार कार्यकर्ताओं और डॉग लवर्स ने स्वागत किया है। पशु अधिकार कार्यकर्ता और बीजेपी नेता मेनका गांधी ने फैसले पर खुशी जताकर वैज्ञानिक फैसला बताया। उन्होंने कहा कि कुत्तों के काटने का कारण डर और विस्थापन होता है। उन्होंने जोर दिया कि आक्रामक कुत्ते की परिभाषा तय होनी चाहिए। मेनका गांधी ने फीडिंग जोन बनाने के कोर्ट के फैसले की सराहना कर बताया कि इस काम के लिए सरकार ने 2,500 करोड़ का बजट आवंटित किया है।

वहीं एक अन्य याचिकाकर्ता और सुप्रीम कोर्ट की वकील ननिता शर्मा ने फैसले को संतुलित आदेश बताया। उन्होंने कहा कि अब देशभर के आवारा कुत्तों से जुड़े मामले एक ही अदालत में सुने जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों से कुत्तों के प्रति थोड़ा और मानवीय होने की अपील की। शेल्टर होम चलाने वाली सोनाली गाबा ने कहा कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा था कि वह उनके पक्ष में फैसला सुनाएगा। उन्होंने कहा कि हर कुत्ते को आक्रामक नहीं कहा जा सकता, इसका सबूत होना चाहिए। उन्होंने फीडिंग ज़ोन बनाने के फैसले पर खुशी जताई।

पिछला आदेश क्या था?

बता दें कि 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर की सड़कों को आवारा कुत्तों से पूरी तरह मुक्त करने का आदेश दिया था। उस आदेश में कहा गया था कि पकड़े गए किसी भी कुत्ते को वापस सड़कों पर नहीं छोड़ा जाएगा। यह फैसला जन-सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया था, क्योंकि अधिकारी इस गंभीर समस्या से निपटने में असफल रहे थे। हालाँकि, अब इस आदेश में बदलाव कर दिया गया है।

शरद पवार के पोते रोहित को मिली जमानत, सहकारी बैंक घोटाले में हैं आरोपी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की एक विशेष अदालत ने शरद पवार के पोते और एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार को जमानत दे दी। विधायक रोहित महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक घोटाले के मामले में आरोपी हैं जिसमें अदालत ने बड़ी राहत दी है। इस मामले को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दर्ज किया था। जानकारी अनुसार मुंबई की अदालत ने रोहित पवार को जमानत देते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा है, कि वह सुनवाई के दौरान मौजूद रहेंगे। बताया गया है कि ईडी ने उनके और उनकी कंपनी बारामती एग्रो के खिलाफ आरोप पत्र तो दायर किया था, लेकिन जांच के दौरान कभी भी उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया था। विशेष न्यायाधीश एसआर नवंदर ने कहा, कि इस मामले में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पहले ही अपनी क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी है। इस क्लोजर रिपोर्ट पर फैसला महत्वपूर्ण है, क्योंकि जब मूल अपराध ही बंद कर दिया जाता है तो ईडी का मामला भी आगे नहीं बढ़ सकता है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी। इस क्लोजर रिपोर्ट का ईडी ने विरोध किया है और इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग भी की है। दरअसल विशेष लोक अभियोजक सुनील गोंसाल्वेस ने तर्क देते हुए कहा, कि या तो हस्तक्षेप की अनुमति प्रदान की जाए या इसे विरोध याचिका में बदला जाए। कोर्ट ने ईडी की याचिका को खारिज करते हुए कहा, कि ईडी पहले ही बॉम्बे हाईकोर्ट में इसी तरह के खारिज किए गए मामले को चुनौती दे चुका है। इसी के साथ न्यायालय ने कहा, कि अपनी बात आप हाईकोर्ट के सामने रखें। बहरहाल कोर्ट 18 सितंबर से ईओडब्ल्यू की क्लोजर रिपोर्ट पर सुनवाई शुरू कर सकता है।

सीएम रेखा गुप्ता के कार्यक्रम में घुसा शख्स...विधायक के खिलाफ करने लगा नारेबाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनसुनवाई में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले के बाद फिर उनके कार्यक्रम में बड़ी घटना हुई है। शुक्रवार को गांधीनगर में कार्यक्रम के दौरान शख्स उनके कार्यक्रम में घुसा और खूब नारेबाजी की। घटना तब की है, जब गांधीनगर विधानसभा के विधायक अरविंदर सिंह लवली कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सीएम रेखा गुप्ता भी कार्यक्रम में मौजूद थीं। तभी शख्स कार्यक्रम में घुसा और नारेबाजी करने लगा। हालांकि पुलिस ने शख्स को हिरासत में लिया है।

शख्स की पहचान अजीत नगर निवासी प्रवीण शर्मा के तौर पर हुई है। वह 60 साल का है। उसका अजीत नगर में टीवी केबल का बिजनेस भी है। शख्स ने दावा किया है कि वह बीते 40 सालों से बीजेपी का कार्यकर्ता है। जानकारी के मुताबिक विधायक लवली जब कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, तभी प्रवीण शर्मा वहां पहुंचा और विधायक के खिलाफ नारेबाजी करने लगा।

शाहदरा के डीसीपी ने बताया कि आरोपी प्रवीण शर्मा बैरिकेड्स के पीछे और एक गली में ही था। यहां से शख्स को तुरंत पकड़ कर हटा दिया गया। किसी भी समय वीआईपी की सुरक्षा का उल्लंघन नहीं किया गया।

बात दें कि सीएम रेखा गुप्ता पर जनसुनवाई के दौरान हमला हुआ था। आरोपी राजेशभाई खिमजी ने बताया था कि उसने पहले आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में शिफ्ट करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ रामलीला मैदान में प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। यह योजना सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे द्वारा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर किए गए आंदोलन की तर्ज पर थी। उधर दिल्ली पुलिस को आरोपी राजेशभाई की पांच दिन की हिरासत मिल गई है जिससे वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस उसके बयानों की पुष्टि कर रही है और बड़ी साजिश की संभावना की जांच कर रही है।

पीएम किसान योजना की 12वीं से 20वीं किस्त तक की राशि एक साथ मिलेगी

सरकार ने योजना को और बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को लेकर सरकार ने साफ कर दिया है कि अगर आप अपने दस्तावेज दोबारा वेरिफाई कर लेते हैं, तो 12वीं से 20वीं किस्त तक की राशि यानी कुल 18,000 रुपए एक साथ आपके बैंक खाते में आ सकते हैं। ये खबर उन किसानों के लिए राहत है, जिनकी किस्तें किसी वजह से रुक गई थीं।

बता दें सरकार ने पीएम-किसान योजना को और बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव किए हैं। इनमें आधार सीडिंग, ई-केवाईसी, भूमि रिकॉर्ड से लिंक करना और आधार से जुड़ा पेमेंट सिस्टम जैसे कदम शामिल हैं। अगर किसानों ने ये औपचारिकताएं समय पर पूरी नहीं कीं, तो उनकी किस्तें रोक दी गईं। पीएम किसान की 12वीं किस्त के लिए भूमि रिकॉर्ड से लिंक करना जरूरी था। वहीं, 13वीं किस्त के लिए आधार से पेमेंट सिस्टम लागू हुआ1 15वीं किस्त के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य कर दी गई। इन नियमों की वजह से कुछ राज्यों में कई किसानों की किस्तें अटक गईं, खासकर जहां सत्यापन में देरी हुई।

अब अगर किसान इन शर्तों को पूरा करते हैं, तो रुकी हुई सारी किस्तें एकमुश्त मिल जाएंगी। कृषि राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर ने बताया कि जो किसान अब दस्तावेज पूरे करेंगे, उन्हें 12वीं से 20वीं किस्त तक की राशि यानी 18,000 रुपए एक साथ मिल सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ आसान काम करने होंगे जैसे पीएम-किसान पोर्टल पर लॉगिन करें। फिर ई-केवाईसी पूरा करें। अपने आधार नंबर और बैंक खाते की लिंकिंग की पुष्टि करें। साथ ही, अपने राज्य के भूमि रिकॉर्ड को अपडेट करें और राशन कार्ड जैसे अन्य पहचान दस्तावेज वेरिफाई कराएं।

सरकार ने ये बदलाव इसलिए किए हैं ताकि योजना से जुड़ा फर्जीवाड़ा रुक जाए। इसके लिए पीएम-किसान पोर्टल को पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम, आधार डेटाबेस, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट और राशन कार्ड डेटाबेस से जोड़ा गया है। इसका मकसद डुप्लीकेट खातों को हटाना, मृत लाभार्थियों के खातों को बंद करना और गलत लोगों को फायदा लेने से रोकना है, लेकिन इन बदलावों से कुछ किसानों को परेशानी हुई।

भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष हरिंदर सिंह लखोवाल ने कहा कि सरकार का ये रवैया किसानों के साथ भेदभाव जैसा है। पहले ग्रामीण विकास फंड रोक दिया और अब किसानों की सीधी मदद भी अटक रही है। 20वीं किस्त की बात करें तो पीएम मोदी ने 2 अगस्त 2025 को इसे जारी किया था। इस दौरान देशभर के लाखों किसानों के खातों में दो हजार रुपए की राशि भेजी गई।

यूट्यूबर एल्विश के घर पर गोलियां बरसाने वाले का पुलिस ने किया एनकाउंटर

गुरुग्राम। यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर फायरिंग करने वाले शूटर का फरीदाबाद सेक्टर 30 के थाने की क्राइम ब्रांच की टीम ने शुक्रवार को एनकाउंटर कर दिया। पुलिस की मुठभेड़ में बदमाश के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पकड़े गए बदमाश की पहचान इशांत उर्फ इशू के रूप में हुई है, जो फरीदाबाद के जवाहर कॉलोनी का रहने वाला है। ईशांत ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की और बदमाश को पकड़ लिया। जानकारी के मुताबिक ईशांत ने इस दौरान पुलिस पर करीब आधा दर्जन फायरिंग की है। बता दें बीते रविवार को यूट्यूबर एल्विश यादव के गुरुग्राम सेक्टर 57 में स्थित आवास के बाहर बाइक सवार हमलावरों ने दो दर्जन से ज्यादा गोलियां चलाईं थीं। हालांकि एल्विश के परिवार के कुछ सदस्य घर में थे। लेकिन हमले में कोई हताहत नहीं हुआ था। वहीं फायरिंग की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए तथा इलाके की सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने यादव के सेक्टर 57 स्थित घर पर दो दर्जन से ज्यादा गोलियां बरसाईं और फरार हो गए।

मुंबई को बारिश से राहत तो राजस्थान, बिहार-बंगाल और कई राज्यों में अब मूसलाधार का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा और इस कारण देशभर में मौसम का रुख भी बदल रहा है। मुंबई, जहां पिछले हफ्ते मूसलाधार बारिश ने चार साल का रिकॉर्ड तोड़ने की कगार पर पहुंचा दिया था, अब राहत की सांस लेता दिखा है। मौसम विभाग के अनुसार बारिश कराने वाला सिस्टम अब आगे बढ़कर गुजरात की ओर चला गया है। इस वजह से मुंबई में रविवार तक भारी बारिश की संभावना नहीं है, हालांकि 24 अगस्त तक हल्की-फुल्की बारिश हो सकती है।

उधर, राजस्थान, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में अगले एक हफ्ते तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान के दक्षिण और पूर्वी हिस्सों में पिछले 24 घंटों में हुई बारिश ने कई हफ्तों से जारी सूखे को खत्म किया है। वहीं पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 22 से 26 अगस्त के बीच मूसलाधार बारिश, भूस्खलन और बादल फटने का खतरा जताया गया है।

गुजरात और पश्चिमी तट पर अलर्ट

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 48 घंटों में गुजरात में भारी बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके बाद 25 अगस्त से फिर से मूसलाधार बारिश का नया दौर शुरू होगा। कोंकण, गोवा और दक्षिण महाराष्ट्र में भी लगातार बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है।

उत्तर भारत की स्थिति

जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड में भी अगले 6 से 7 दिनों तक भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने लोगों को बिजली गिरने, भूस्खलन और जलभराव जैसी घटनाओं से सतर्क रहने की सलाह दी गई है। देश के कई हिस्सों में मानसूनी बौछारें जहां लोगों के लिए राहत बनीं वहीं भारी बारिश के साथ-साथ आफत भी लेकर आई हैं। बहरहाल अब मौसम बदल रहा है, इससे राहत मिलने की उम्मीद जागी है।

यूपी में हर व्यक्ति पर चढ़ा 37,500 रुपए का कर्ज

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार प्रदेश को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था के टार्गेट के साथ लगातार आगे बढ़ रही हैं। इसके लिए प्रदेश में बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास पर काम किया जा रहा है। लेकिन इन तमाम बातों के बीच यूपी पर साल दर साल कर्ज भी बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते यूपी का हर शख्स कर्ज में डूबा है, वो भी एक या दो हजार नहीं बल्कि 37,500 रुपए का ऋणी है।

यूपी पर पिछले पांच साल में छह लाख करोड़ से बढ़कर नौ लाख करोड़ रुपए उधार होने का अनुमान है। राज्य वित्त आयोग के अनुसार, राज्य को राजस्व में 2.97 फीसदी घाटा हो रहा है। 2023-24 में राज्य सरकार पर कुल ऋण करीब 7.76 लाख करोड़ रुपये था जो वर्ष 2025-26 में 9 लाख करोड़ रुपये के पार होने का अनुमान है। ऐसे में प्रदेश के हर व्यक्ति पर 37,500 रुपए का कर्ज है। हालांकि, राज्य वित्त आयोग इसे राज्य के विकास का संकेतक बता रहा है। राज्य वित्त आयोग का मानना है कि जितना राज्य की बुनियादी चीजों में खर्च होगा, उतना ही उधार बढ़ता है। इससे साफ है कि यूपी सरकार अपने आय से ज्यादा, यानी उधार लेकर पैसे खर्च कर रही है।

उत्तर प्रदेश में बीते कुछ सालों में राज्य पर बढ़ते ऋण पर नज़र डाली जाए तो वित्त वर्ष 2021-22 में ऋण 6,21,836 करोड़ रुपये था, वित्त वर्ष 2022-23 में 6,71,134 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2023-24 में 7,76,783 करोड़, वित्त वर्ष 2024-25 में 8,46,096 और 2025-26 ये बढ़कर 9,03,924 करोड़ रुपये हो गया। जानकारों को मुताबिक अगर किसी राज्य का ऋण ज्यादा होता है तो उसका सीधा दबाव विकासशील अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इससे ऋण पर लगने वाला ब्याज का ज्यादा भुगतान होता है, जिसका असर अर्थव्यवस्था पर पड़ता हैं। जहां तक उत्तर प्रदेश की बात है तो राज्य के विकास के लिए इसका संतुलन बनाना जरूरी है।

मंदिर की घंटी बजाकर वोट लेते हैं और संसद की घंटी बजाकर लोकतंत्र बेच देते हैं: जीतू पटवारी

- भाजपा-जेडीयू भाई भाई- वोट चोरी, से सरकार बनाई, बिहारी सबक सिखाएँगे- वोट चोर को हराएँगे

भागलपुर, (एजेंसी)। 'वोट अधिकार यात्रा' के छठे दिन बिहार के अकबरनगर, भागलपुर में आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में कांग्रेस-राजद महागठबंधन के नेताओं ने भाजपा-जेडीयू पर सीधा और करारा हमला बोला। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष जितु पटवारी ने भाजपा के विकास मॉडल को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि इनके पास किसान नीति नहीं, रोजगार योजना नहीं, शिक्षा का खाका नहीं। इनके पास है तो सिर्फ़ जुमलों का गठ्ठर और झूठ का थैला। पटवारी ने कहा-'ये लोग जनता को पेड़ लगाने के नाम पर वोट माँगते हैं और चुनावी सभा के लिए हज़ारों पेड़ काट डालते हैं। यही है भाजपा का 'ग्रीन इंडिया'। ये लोग मंदिर की घंटी बजाकर वोट लेते हैं और संसद की घंटी बजाकर लोकतंत्र बेच देते हैं।'

विकासशील इंसान पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी ने कहा कि भाजपा अब जनता के भरोसे को अपनी जेबखर्च की तरह इस्तेमाल कर रही है। किसानों से वादे करके उनके पसीने का दाम लूट लिया, युवाओं को नौकरी का झांसा देकर बेरोज़गारी का पहाड़ खड़ा कर दिया, और अब जनता के वोट को अपनी प्राइवेट कंपनी का टोकन बना दिया। सहनी ने तंज़ कसते हुए कहा-'भाजपा का असली काम अब सिर्फ़ जनादेश की डकैती है, यह पार्टी चुनाव लड़ने नहीं आती, यह चुनाव लूटने आती है।'

राजद सांसद संजय यादव ने भाजपा को सीधे निशाने पर लेते हुए कहा कि यह सिर्फ़ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ठगी कंपनी है। उन्होंने कहा-'चुनाव आयोग अब इनके लिए बैक ऑफ़िस का काम करता है, और जनता के वोट इनके लिए मुफ्त की लूट है। भाजपा का नया नाम होना चाहिए–'वोट चोर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड', जिसमें मालिक नरेंद्र मोदी, एजेंट अमित शाह और ठेकेदार उनके मुख्यमंत्री हैं।' उन्होंने तीखा व्यंग्य करते हुए कहा-'ये वही लोग हैं जो किसानों को एमएसपी से लूटते हैं, युवाओं को परीक्षा-पेपर लीक से धोखा देते हैं, और चुनाव आयोग को अपनी जेब में रखकर लोकतंत्र का तमाशा बनाते हैं।'

कांग्रेस प्रवक्ता अनुपम कुमार ने भाजपा की राजनीति को एक बड़ा धोखा बताते हुए कहा-'इनकी क्रोनोलॉजी बहुत साफ़ है- पहले विधायक चोरी, फिर वोट चोरी और अब पूरा राज्य सरकार चोरी। भाजपा का नारा है 'जो बिकेगा वही टिकेगा'। यह पार्टी एक वॉशिंग मशीन है, जिसमें अपराधी घुसते ही संत बन जाते हैं, और ईमानदार आवाज़ें अंदर जाते ही देशद्रोही कहलाने लगती हैं।' अनुपम ने चुटकी लेते हुए कहा कि भाजपा लोकतंत्र को 'डिस्काउंट सेल' में बेच रही है, जहाँ विधायक बोली लगाकर खरीदे जाते हैं, मुख्यमंत्री गिफ्ट पैक में दिए जाते हैं और चुनाव आयोग बोनस में मिलता है।

सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. गिरीश कुमार ने कहा कि बिहार की जनता अब भाजपा के झूठ और जुमलों को पहचान चुकी है और इस बार भाजपा को करारा जवाब देगी। इस प्रेस वार्ता में अभय दुबे (एआईसीसी मीडिया प्रभारी, बिहार) और राजेश राठौर (कांग्रेस मीडिया चेयरमैन, बिहार) भी उपस्थित रहे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

सीरिया में वरिष्ठ इस्लामिक स्टेट सदस्य अरेस्ट

दमिश्क़, एजेंसी। अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन ने उत्तर-पश्चिम सीरिया में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक वरिष्ठ सदस्य को गिरफ्तार किया है। बुधवार को चलाए गए इस अभियान की पुष्टि सीरियाई मीडिया और एक युद्ध निगरानी संगठन ने की। अधिकारियों ने पहचान का खुलासा नहीं किया है, ऐसे में अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पकड़ा गया शख्स आईएस का सर्वोच्च नेता है या कोई आम सदस्य। सूत्रों के अनुसार, इराकी नागरिक और आईएस कमांडर अबू हाफिज अल-कुरैशी को तुर्किये की सीमा के पास आतमेह कस्बे में हेलीकॉप्टर से उतरे सैनिकों ने पकड़ा। ब्रिटेन की संस्था- सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के मुताबिक, इस अभियान के दौरान एक अन्य इराकी नागरिक मारा गया। निगरानी समूह का दावा है कि गिरफ्तार शख्स के साथ फ्रेंच बोलने वाली एक महिला भी पकड़ी गई है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि उसे अमेरिकी बलों ने पकड़ा या बाद में सीरियाई सुरक्षा बलों ने। सीरिया के सरकारी टीवी चैनल के मुताबिक गिरफ्तार शख्स का नाम सलाह नोमान है। वह अपने परिवार के साथ एक अपार्टमेंट में रह रहा था।

इस्राइल में वेस्ट बैंक सेटलमेंट परियोजना को मंजूरी

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल ने अपने कब्जे वाले वेस्ट बैंक में एक बस्ती बसाने की विवादास्पद परियोजना को अंतिम मंजूरी दे दी है। परियोजना लागू होने के बाद वेस्ट बैंक दो हिस्सों में बंट सकता है। इस मामले में फलस्तीनी और मानवाधिकार संगठनों ने चेतावनी दी है कि भविष्य में स्वतंत्र फलस्तीनी की संभावना लगभग समाप्त हो जाएगी। बुधवार को वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच ने इस मंजूरी को पश्चिमी देशों के को इस्राइल का करारा जवाब बताया। स्मोट्रिच ने कहा, स्वतंत्र फलस्तीन अब नारेबाजी से नहीं बल्कि ठोस कदमों से मिटाया जा रहा है। हर बस्ती, हर मोहल्ला और हर मकान इस खतरनाक विचार के ताबूत में एक और कील है। इस्राइल के इस निर्णय को क्षेत्र में तनाव बढ़ाने और शांति प्रक्रिया के लिए गंभीर झटका माना जा रहा है। बता दें कि यरूशलम के पूर्व में ई1 क्षेत्र में इस्राइल बस्ती विकसित करने की योजना बना रहा है। बीते दो दशकों से इस पर विचार हो रहा था, लेकिन अमेरिका के दबाव के कारण अब तक इस पर कार्यान्वयन नहीं हुआ है।

कांगो और एम23 विद्रोहियों के बीच शांति समझौते की कोशिश

किंशासा, एजेंसी। कांगो सरकार और रवांडा समर्थित विद्रोही संगठन एम23 के बीच एक शांति समझौते का मसौदा तैयार हुआ है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य- उन इलाकों पर फिर से सरकारी नियंत्रण लाना है, जिन पर फिलहाल एम23 का कब्जा है। यह समझौता कतर की पहल पर तैयार किया गया है और इसमें शांति कायम करने के लिए तीन चरणों वाली प्रक्रिया का जिक्र है। आने वाले दिनों में दोनों पक्ष कतर की राजधानी दोहा में बैठकर इस मसौदे पर चर्चा करेंगे। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेदी अभी इस मसौदे से संतुष्ट नहीं हैं। वहीं, बेल्जियम के विदेश मंत्री मैक्सिम प्रीवोट ने कहा कि राष्ट्रपति का मानना है कि मसौदा अभी अधूरा और असंतोषजनक है। वहीं, एम23 के नेता बर्ट्रेंड बिसिमवा ने इस मसौदे पर कोई सीधी टिप्पणी नहीं की। उन्होंने कहा कि अभी उनका ध्यान युद्धविराम लागू करने और कैदियों की रिहाई पर है, जो पहले से तय किए गए दोहा घोषणापत्र का हिस्सा हैं।

बोलीविया में चुना जाएगा नया राष्ट्रपति

सूक्रे, एजेंसी। बोलीविया में नया राष्ट्रपति चुना जाएगा। यह चुनाव देश में लगभग 20 साल से चल रही समाजवादी सरकार से बदलाव की ओर इशारा करता है। लेकिन आदिवासी समुदायों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं को भरोसा नहीं है कि इससे अमेजन जंगलों की कटाई, आग या प्रदूषण जैसी समस्याएं रुकेंगी। 19 अक्तूबर को होने वाले चुनाव में दो नेता मध्यमार्गी रोड्रिगो पाज और दक्षिणपंथी जॉर्ज टूटो क्विरोगा आमने-सामने हैं। दोनों बदलाव का वादा कर रहे हैं, लेकिन उनका आर्थिक मॉडल वही है, जिसने अब तक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया है। अमेजन जंगल नौ देशों में फैला हुआ है और यह दुनिया की जलवायु और कार्बन संतुलन के लिए बहुत अहम है।

आईडीएफ ने शुरू किया गाजा पर कब्जा अभियान

यरुशलम, एजेंसी। इजरायल ने गाजा पट्टी पर कब्जा करने की अपनी अहम रणनीति के तहत बुधवार को युद्ध का अगला चरण शुरू कर दिया है। इसके साथ ही इजरायली सेना के जवान गाजा पट्टी में अंदर घुस गए। इजरायली सेना के मुख्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने घोषणा की कि इजरायल ने युद्ध का अगला चरण शुरू कर दिया है और सेना गाजा शहर के बाहरी इलाके में पहुंच गई है। वहां विस्थापित निवासियों को दक्षिणी गाजा में स्थानांतरित करने की तैयारी चल रही है। आईडीएफ के इस कदम से अंतर्राष्ट्रीय चिंता पैदा हो गई है और फिलिस्तीनी राज्य के भविष्य पर बहस फिर से शुरू हो गई।

इजरायल की तरफ से यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब वार्ताकार मिस्र इजरायल और हमास के बीच 22 महीनों से जारी संघर्ष समाप्त करने के लिए युद्धविराम की कोशिशों में लगा हुआ है। इस बीच, एक अहम रणनीति का खुलासा करते हुए इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने घोषणा की कि वह गाजा शहर पर कब्ज़ा करने की आईडीएफ की योजनाओं की समय सीमा कम कर रहे हैं। यह घोषणा रणनीतिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर द्वारा पेरिस में कतर के अधिकारियों के साथ वार्ता पर चर्चा के एक दिन बाद की गई।

नहीं दे सकते पांच महीने : जब सुरक्षा कैबिनेट ने पहली बार गाजा शहर पर कब्ज़ा करने की मंजूरी दी थी, तब इजरायली अधिकारियों ने अनुमान जताया था कि इस योजना में पाँच महीने या उससे ज़्यादा का समय लग सकता है लेकिन बुधवार को नेतन्याहू ने सेना को समय सीमा कम करने का निर्देश दिया है। बुधवार की शाम एक बयान में नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने सेना को आतंकवादियों के अंतिम गढ़ों पर कब्ज़ा करने और हमास को हराने की समय सीमा कम करने का निर्देश दिया है, जो गाजा शहर में आईडीएफ के आगामी हमले का संकेत है। नेतन्याहू ने ढृष्टस्र से साफ कहा है कि इसके लिए पांच महीने नहीं दे सकते।

सीजफायर प्रस्ताव पर भी नजर : हालाँकि पिछले कुछ दिनों में बंधकों की रिहाई के समझौते पर पहुँचने की गति तेज हुई है। बावजूद, इसके नेतन्याहू ने ऐसे प्रयासों को लगातार खारिज किया है और इस महीने की शुरुआत में कैबिनेट द्वारा स्वीकृत योजना के बजाय गाजा पट्टी में लड़ाई तेज़ करने पर ध्यान केंद्रित किया है। हालांकि, उन्होंने युद्धविराम के नवीनतम प्रस्ताव को पूरी तरह से खारिज नहीं किया है।

60,000 रिजर्व सैनिकों को तैनात करने का आदेश : दूसरी तरफ, जैसे-जैसे गाजा शहर पर बड़े पैमाने पर हमले के शुरुआती चरण जमीं पर अमल में आ रहे हैं, वैसे-वैसे इजरायल वहां सैन्य तैनाती बढ़ाता जा रहा है। उत्तरी गाजा के सबसे बड़े शहर, जिसके बारे में इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा था कि यह हमास के अंतिम गढ़ों में से एक है, पर कब्ज़ा करने के लिए सेना ने 60,000 रिजर्व सैनिकों को तैनात करने का आदेश दिया है। इसके अलावा 20,000 अतिरिक्त सैनिकों की सेवा अवधि बढ़ाने का भी फैसला किया गया है।

आईडीएफ की योजना की हो रही निंदा : इजरायली सुरक्षा बल की इस योजना की अंतरराष्ट्रीय और घरेलू स्तर पर निंदा हो रही है, क्योंकि इससे इस आशंका को बल मिल रहा है कि गाजा में मानवीय और भूखमरी का संकट और भी बदतर हो जाएगा और आईडीएफ के विस्तारित सैन्य अभियान से शेष बंधकों की जान पर संकट बढ़ जाएगा। मानवाधिकार समूहों ने भी चेतावनी दी है कि गाजा में मानवीय संकट और भी बदतर हो सकता है। समूहों ने कहा कि गाजा में अधिकांश निवासी विस्थापित हो गए हैं, विशाल इलाके खंडहर में तब्दील हो गए हैं और लोगों पर अकाल का खतरा मंडरा रहा है।

इजरायली सैनिक अब हो रहे हताश : सीएनएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब दो साल से युद्ध लड़ रहे इजरायली सैनिक अब हताश होने लगे हैं। युद्ध का अंत नजदीक नहीं दिखने के कारण इजरायल के सैन्य प्रमुख ने सैनिकों पर बढ़ते बोझ की चेतावनी दी है, जिनमें से कई को गाजा में लड़ने के लिए कई बार बुलाया गया है। आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल ज़मीर ने इस महीने की शुरुआत में सुरक्षा कैबिनेट को बताया था कि सेना को क्षति और थकान का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन नेतन्याहू और उनके गठबंधन सहयोगियों ने गाजा अभियान को आगे बढ़ाते हुए उनकी चिंताओं को खारिज कर दिया।यरूशलेम के हिब्रू विश्वविद्यालय में अगम लैब्स के एक नए सर्वेक्षण से पता चला है कि लगभग 40त सैनिक युद्ध के लिए थोड़े या काफी कम प्रेरित थे, जबकि 13त से थोड़े अधिक सैनिक युद्ध के लिए अधिक प्रेरित थे।

पाकिस्तान में हिंदू लड़कियों का जबरन धर्मांतरण, ईशनिंदा के नाम पर सरेआम हो रही हत्या

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा लगातार बढ़ रही है। हिंदू और ईसाई लड़कियों को निशाना बनाया जा रहा है। पाकिस्तान के शीर्ष मानवाधिकार संगठन ने कहा है कि पिछले साल हिंदू और ईसाई लड़कियों के जबरन धर्मांतरण और कम उम्र में विवाह के मामलों में तेजी आई है। संगठन ने बताया कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई है, जिसमें हिंदू और ईसाई लड़कियों के जबरन धर्मांतरण और नाबालिगों की शादियों की घटनाएं भी बढ़ी हैं।

पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने मंगलवार को जारी अपनी रिपोर्ट डर की गलियां: 2024-25 में धर्म या आस्था की स्वतंत्रता में देश में अहमदियों, हिंदुओं और ईसाइयों के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए बेहद चिंताजनक वर्ष का दस्तावेजीकरण किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में खतरनाक वृद्धि हुई है, जिसमें अहमदिया समुदाय की लक्षित हत्याएं और उनके पूजा स्थलों का विध्वंस शामिल है।

एचआरसीपी ने बताया कि पंजाब और सिंध प्रांतों में हिंदू और ईसाई लड़कियों का जबरन धर्मांतरण और कम उम्र में विवाह जारी है, जो बाल विवाह निरोधक कानूनों को लागू करने में व्यवस्थित विफलता को दर्शाता है। संगठन ने कहा कि ईशनिंदा के आरोपियों, खासकर अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की भीड़ द्वारा हत्या के मामले बढ़े हैं। सबसे भयावह घटनाएं ईशनिंदा के आरोप में अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की न्यायेतर हत्याएं हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि पुलिस ने दो ईशनिंदा आरोपियों को उग्र भीड़ से सुरक्षा मांगने के दौरान न्यायेतर तरीके से मार डाला। यह घटनाएं कानून प्रवर्तन और जवाबदेही तंत्र में सुधार की तत्काल आवश्यकता को दर्शाती हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि बार एसोसिएशनों का कट्टरपंथी धार्मिक समूहों की सोच की ओर झुकाव चिंताजनक है, जो विधि व्यवसाय की स्वतंत्रता को कमजोर करता है। रिपोर्ट में पाकिस्तान सरकार से राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के निष्कर्षों के आधार पर ईशनिंदा के आरोपों में फंसाने की जांच के लिए एक आयोग गठित करने की मांग की गई है। साथ ही, यह सुझाव दिया गया है कि अधिकारियों को उन मदरसों पर नजर रखनी चाहिए जो अक्सर नाबालिग लड़कियों के धर्मांतरण में शामिल होते हैं।

अमेरिका के मशहूर जज फ्रैंक कैप्रियो का निधन, दयालु जज के नाम से फेमस हुए

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के मशहूर जज फ्रैंक कैप्रियो का बुधवार को निधन हो गया। वे 88 साल के थे। कैप्रियो लंबे समय से पैंक्रियाटिक कैंसर से लड़ रहे थे। उनके परिवार ने इंस्टाग्राम पर उनकी मौत की जानकारी दी। कैप्रियो अपने कोर्ट शो कॉट इन प्रोविडेंस से दुनियाभर में मशहूर हुए। यह शो 2018 से 2020 तक चला और कई डेटाइम एमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेट हुआ। उनकी दया और इंसानियत भरे फैसलों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहे हैं।। उन्होंने कई बार गरीब परिवारों के चालान माफ किए और लोगों को हौसला दिया।

सोशल मीडिया पर कैप्रियो के कई वीडियो वायरल : जज फ्रैंक कैप्रियो के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। उनके इंस्टाग्राम पर उनके 34 लाख फॉलोअर्स हैं। उनके वीडियो को ऑनलाइन अरबों बार देखा गया।

कैप्रियो ने रविवार को ही इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी तबीयत बिगड़ गई है और वे फिर से अस्पताल में हैं। उन्होंने लोगों से प्रार्थना करने की अपील की थी। कैप्रियो को लोग दुनिया का

सबसे दयालु जज कहते थे। उनका मानना था कि न्याय में दया और इंसानियत जरूर होनी चाहिए।

रोड आइलैंड में एक दिन के लिए झंडा आधा झुकाया : कैप्रियो का जन्म अमेरिका के रोड आइलैंड में हुआ था। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने उन्हें राज्य का असली खजाना बताया। राज्य में उनके सम्मान में झंडे आधे झुका दिए गए हैं। उन्होंने लंबे समय तक म्युनिसिपल जज के तौर पर काम किया। 2023 में उन्होंने खुद बताया था कि उन्हें कैंसर है। इलाज के दौरान वे लगातार लोगों से जुड़े रहे और अपडेट देते रहे। कैप्रियो पारिवारिक जीवन में भी बेहद समर्पित थे। परिवार ने कहा कि वे एक अच्छे पति, पिता, दादा और परदादा के रूप में याद किए जाएंगे।

ट्रंप के साथ बैठक के बाद वापस आते समय पुतिन को चुकाने पड़े 2.2 करोड़ रुपये

वाशिंगटन, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में यूक्रेन से जंग को लेकर संघर्षविराम पर वार्ता के लिए अलास्का का दौरा किया था। यहां ट्रंप से वार्ता से पहले भले ही उनका रेड कार्पेट स्वागत हुआ हो लेकिन वहां से वापस आना पुतिन को काफी महंगा पड़ गया। दरअसल, उन्हें वहां से वापस आते समय अपने विमानों में ईंधन भरवाना पड़ा। हद तो तब हो गई जब इसके लिए उन्हें तकरीबन 250,000 डॉलर (लगभग 2.2 करोड़ रुपये) नकद चुकाने पड़े। अब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने इसकी हकीकत बताई है। उन्होंने साफ किया है कि पुतिन को ऐसा क्यों करना पड़ा।

मार्को रूबियो ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन को अमेरिका से लौटते समय तीन विमानों में ईंधन भरने के लिए लगभग 250,000 डॉलर (लगभग 2.2 करोड़ रुपये) नकद भुगतान करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि यह रूस पर लागू अमेरिकी प्रतिबंधों का परिणाम था। उन्होंने कहा कि यूक्रेन से जंग के चलते लागू प्रतिबंधों के कारण वे हमारी बैंकिंग प्रणाली का उपयोग नहीं कर सकते थे। ऐसे में उन्हें ईंधन के लिए नकद भुगतान करना पड़ा। रूबियो ने कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंध अभी भी लागू हैं और उनका प्रभाव भी बना हुआ है। रूबियो ने कहा कि रूस और पुतिन को हर दिन इसके परिणाम भुगतने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि इन प्रतिबंधों ने युद्ध की दिशा नहीं बदली है।

बैठक का नहीं निकला कोई नतीजा

गौरतलब है कि 15 अगस्त को हुई बहुप्रतीक्षित बैठक के लिए पुतिन की टीम अलास्का में लगभग पांच घंटे तक रही। ट्रंप और पुतिन की बैठक के बाद दोनों ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें ट्रंप ने पुष्टि करते हुए कहा कि यूक्रेन से संघर्ष विराम को लेकर कोई समझौता नहीं हुआ। हालांकि दोनों के बीच वार्ता अच्छी रही।

तीन साल से ज्यादा वक्त से रूस-यूक्रेन में जंग

करीब तीन साल से ज्यादा समय से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध अब एक तरह के ठहराव पर है। रूस ने कुछ हिस्सों में हाल ही में बढ़त बनाई है, लेकिन बड़े पैमाने पर स्थिति वैसी ही बनीं हुई है। अब तक लाखों लोग मारे जा चुके हैं और दोनों देशों की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ा है।

भारत मूल्यवान साझेदार, मजबूत रिश्ते में खटास रणनीतिक आपदा: निक्की हेली

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आईना दिखाया। उन्होंने कहा कि भारत को चीन जैसा विरोधी नहीं, बल्कि एक मूल्यवान स्वतंत्र और लोकतांत्रिक साझेदार मानना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका भारत के साथ पिछले 25 वर्षों से बने संबंधों की रफ्तार रोकता है, तो यह एक रणनीतिक आपदा होगी।

निक्की हेली ने भारत और चीन के बीच एक मजबूत साझेदारी को बेहद आसान बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और उसका उदय स्वतंत्र दुनिया के लिए कोई खतरा नहीं है। इसके उलट, चीन की ताकत बढ़ना दुनिया के लिए चुनौती है, क्योंकि वह कम्युनिस्ट शासन के तहत चलता है।

अमेरिका का महत्वपूर्ण सहयोगी बन सकता है भारत : निक्की हेली ने अपने लेख में कहा कि भारत अमेरिका का महत्वपूर्ण सहयोगी बन सकता है, जबकि चीन रूस से तेल खरीद कर प्रतिबंधों से बच रहा है और मास्को का सबसे बड़ा ग्राहक है। अमेरिका को यह समझना होगा कि अगर एशिया में चीन का मुकाबला करना है तो भारत ही एकमात्र देश है जो यह संतुलन बना सकता है।

भारत में चीन की तरह बड़े पैमाने पर सामान बनाने की क्षमता : निक्की हेली ने आगे कहा कि भारत में इतनी क्षमता है कि वह चीन की तरह बड़े पैमाने पर सामान बना सकता है। इससे अमेरिका को अपनी सप्लाई चेन चीन से हटाकर भारत में शिफ्ट करने में मदद मिलेगी। भारत कपड़े, सस्ते फोन और सोलर पैनल जैसे उत्पाद बड़े स्तर पर बना सकता है, जिन्हें अमेरिका खुद तुरंत या बड़े पैमाने पर नहीं बना सकता।

मध्य पूर्व में स्थिरता लाने में अहम साबित हो सकती है भारत की भूमिका : हेली ने आगे कहा कि भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता और मध्य पूर्व में उसकी भूमिका उस क्षेत्र में स्थिरता लाने में अहम साबित हो सकती है, खासकर जब अमेरिका वहां सैनिकों और पैसों की संख्या कम करना चाहता है। भारत की भौगोलिक स्थिति चीन के व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के रास्तों पर दबाव डाल सकती है, जो किसी बड़े संघर्ष की स्थिति में चीन के विकल्प कम कर देगी।

भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था : निक्की हेली ने आगे कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही जापान को पीछे छोड़ देगा। भारत का उदय चीन की उस महत्वाकांक्षा को रोक देगा, जिसमें वह वैश्विक व्यवस्था को अपने हिसाब से ढालना चाहता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत मजबूत होगा, चीन की महत्वाकांक्षाएं घटेंगी।

अमेरिका-भारत की साझेदारी करने पर दोनों देशों के हित पूरे होंगे : निक्की हेली ने यह भी याद दिलाया कि भारत और चीन के बीच कई विवाद हैं, जिनमें 2020 का गलवां घाटी संघर्ष भी शामिल है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका और भारत साझेदारी करते हैं तो दोनों देशों के हित पूरे होंगे और भारत चीन के खिलाफ ज्यादा मजबूती से खड़ा हो सकेगा। हेली ने चेतावनी दी कि अमेरिका-भारत के बीच व्यापार विवाद को अगर लंबा खींचा गया तो यह एक बड़ी और टाली न जा सकने वाली गलती होगी। चीन इस स्थिति का फायदा उठा सकता है।

टेक्सास के नए नक्शे को मिली मंजूरी, 2026 के मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को होगा फायदा

वॉशिंगटन, एजेंसी। टेक्सास की विधानसभा ने राज्य के नए नक्शे को अपनी मंजूरी दे दी है। नए नक्शे से रिपब्लकिन पार्टी को फायदा होगा और पांच नई सीटों का निर्माण होगा। जिन सीटों का निर्माण होगा, वो रिपब्लिकन पार्टी के प्रभाव वाली होंगी। ऐसे में 2026 में होने वाले मध्यावधि चुनाव में सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी को इससे फायदा मिलने की उम्मीद है।

रिपब्लिकन पार्टी की बढ़ सकती हैं पांच सीटें : राष्ट्रपति ट्रंप ने पांच साल बाद कांग्रेस सीटों के नक्शों की समीक्षा करने की अपील की थी। माना जा रहा है कि इसका उद्देश्य रिपबल्किन पार्टी को फायदा पहुंचाना है। टेक्सास की विधानसभा ने बुधवार को नए नक्शे को मंजूरी दी। हालांकि अभी इसे लागू करने से पहले राज्य के सीनेट और गवर्नर की मंजूरी की भी जरूरत होगी। सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत है। ऐसे में नए नक्शे को मंजूरी मिलना लगभग तय है। सदन में नए विधेयक के पक्ष में 88 और विपक्ष में 52 वोट पड़े। हालांकि डेमोक्रेटिक पार्टी ने नए नक्शे को अदालत में चुनौती देने की बात कही है। डेमोक्रेट्स ने आरोप लगाया कि नया नक्शा रिपब्लिकन पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए बनाया गया है।

टेक्सास के रिपब्लिकनों ने खुलेआम कहा कि वे अपनी पार्टी के हित में काम कर रहे हैं। राज्य प्रतिनिधि टॉड हंटर, जिन्होंने औपचारिक रूप से नया नक्शा बनाने वाला विधेयक लिखा था, ने कहा कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राजनेताओं को स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण उद्देश्यों के लिए जिलों का पुनर्निर्धारण करने की अनुमति दी है।

अमेरिकी कोर्ट ने ठुकराई न्याय विभाग की मांग, ग्रैंड जूरी दस्तावेज सार्वजनिक करने से किया इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने जेफ्री एपस्टीन की मौत के मामले में बुधवार को ट्रंप प्रशासन को एक बार फिर झटका दिया है। इसके तहत न्यायाधीश ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़े देह व्यापार मामले की ग्रैंड जूरी की सुनवाई के दस्तावेज (ट्रांस्क्रिप्ट्स) सार्वजनिक करने की ट्रंप प्रशासन की मांग को खारिज कर दिया। इससे पहले दो अन्य जज भी इसी तरह की मांग को ठुकरा चुके हैं।

मामले में सुनवाई के दौरान न्यायाधीश रिचर्ड बर्मन ने कहा कि इन ट्रांस्क्रिप्ट्स में ऐसा कुछ नहीं है जो जनता की जिज्ञासा को संतुष्ट कर सके। उन्होंने इसे ध्यान भटकाने की कोशिश बताया। साथ ही कहा कि असल में एपस्टीन से जुड़े करीब एक लाख पन्नों के दस्तावेज सरकार के पास हैं, लेकिन उन्हें अभी तक जारी नहीं किया गया है। न्यायाधीश ने ये भी कहा कि सरकार के पास असली और ठोस जानकारी है, लेकिन वह सिर्फ ग्रैंड जूरी की सीमित जानकारी जारी करवाना चाहती है, जो कि असल तथ्यों का एक बहुत ही छोटा हिस्सा है।

ट्रंप प्रशासन ने की थी दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग : बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में इन दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग की थी, ताकि यह दिखाया जा सके कि वे पारदर्शिता में विश्वास रखते हैं। ट्रंप खुद भी इस केस में नाम आने को लेकर आलोचनाओं का सामना कर चुके हैं और उन्होंने चुनाव के दौरान सभी फाइलें जारी करने का वादा किया था। लेकिन जब उन्होंने कुछ दस्तावेज जारी किए, तो उनमें कुछ नया नहीं था, जिससे उनके समर्थकों में भी नाराजगी थी।

घिसलेन मैक्सवेल को लेकर भी जारी चर्चा जारी

दूसरी ओर इस मामले में एपस्टीन की सहयोगी घिसलेन मैक्सवेल को लेकर भी चर्चा जारी है। मैक्सवेल फिलहाल फिलहाल 20 साल की सजा काट रही हैं। अमेरिकी कांग्रेस की एक समिति उनसे पूछताछ करना चाहती है, लेकिन उनके वकीलों ने कहा है कि अगर उन्हें कानूनी सुरक्षा (इम्युनिटी) नहीं दी गई, तो वे बयान नहीं देंगे।

कौन थे जेफरी एपस्टीन?

गौरतलब है कि जेफरी एपस्टीन एक अमीर फाइनेंसर थे, जिनपर कम उम्र की लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के गंभीर आरोप थे। वह 2019 में न्यूयॉर्क की जेल में मृत पाए गए थे, जब उन पर मुकदमा चल रहा था। उनकी मौत को लेकर अब भी संदेह और साजिश की थ्योरी चलती रहती हैं। साथ ही उनकी मौत और केस से जुड़े कई दस्तावेजों को छिपाने के आरोपों को लेकर अमेरिका में कई लोग सरकार पर पर्दा डालने का आरोप लगाते रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में असामाजिक तत्वों ने गणपति बप्पा के बैनर फाड़े

एक दिन पहले 15 प्रतिमाओं की उंगलियां तोड़ी गई थीं,पुलिस हरकत में आई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के वेसु इलाके में असामाजिक तत्वों द्वारा गणपति बप्पा के आगमन के बैनर फाड़े जाने से स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। यह घटना गुरुवार देर रात हुई मानी जा रही है।

डॉ. हेडगेवार नगर में गणपति बप्पा के आगमन पर लगाए गए स्वागत बैनरों को रात में 3 से 4 अज्ञात लोगों ने फाड़ दिया। इससे पहले एक दिन पहले ही 15 गणेश प्रतिमाओं की उंगलियां तोड़ने की घटना हुई थी।

गणपति बप्पा के बैनर फाड़ने से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है और इलाके में तनाव का माहौल बन गया है। असामाजिक तत्वों ने न सिर्फ गणपति बैनरों को, बल्कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर और कुछ स्थानीय दुकानों के बैनरों को भी फाड़ा।

बैनर फाड़ते असामाजिक तत्व सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने वेसु पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

पुलिस सूत्रों के अनुसार वेसु पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। वेसु थाने के पीआई जे. आई. पटेल ने बताया कि शिकायत मिलते ही तुरंत जांच शुरू की गई है और दो संदिग्धों से पूछताछ चल रही है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी।

यह घटना ऐसे समय पर हुई है जब गुरुवार को खटोदरा पुलिस थाने में गणेश मूर्ति वर्कशॉप में 10-15 गणेश प्रतिमाओं की उंगलियां तोड़े जाने की जांच पहले से चल रही थी।

सिविल अस्पताल के बिस्तर से रेप का आरोपी फरार

नई सिविल अस्पताल से बलात्कार और पोक्सो केस का आरोपी पुलिस की हिरासत से फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की नई सिविल अस्पताल से बलात्कार और पोक्सो केस का आरोपी पुलिस की हिरासत से फरार हो गया, जिससे पुलिस तंत्र में हड़कंप मच गया। आरोपी की तलाश के लिए क्राइम ब्रांच, खटोदरा, चौकबाजार और वराछा पुलिस की टीमें सक्रिय हो गई हैं।

चौकबाजार पुलिस थाने में दर्ज पोक्सो केस में आरोपी को लाजपोर जेल से कोर्ट में पेश करने लाया गया था। इस दौरान अचानक आरोपी बेहोश होकर गिर पड़ा। तुरंत इलाज के लिए उसे सूरत सिविल अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में ले जाया गया। लेकिन इलाज के दौरान ही उसने मौके का फायदा उठाकर पुलिसकर्मियों की नजर से बचते हुए अस्पताल से फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सूचित किया गया। फिलहाल, आरोपी की तलाश में क्राइम ब्रांच, खटोदरा और वराछा पुलिस की टीमें सघन खोज अभियान चला रही हैं। आसपास के इलाकों और अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है, ताकि पता लगाया जा सके कि आरोपी किस दिशा में भागा। साथ ही, आरोपी की फरारी में पुलिसकर्मियों की लापरवाही की भी जांच हो रही है।

खटोदरा थाने के पीआई बी.आर. रबारी ने बताया कि राजकोट जेल से चौकबाजार पुलिस स्टेशन के पोक्सो रेप आरोपी शुभम शर्मा को सेशंस कोर्ट में पेश किया गया था। पेशी के दौरान उसे खींचते समय वह गिर पड़ा था। जिसके बाद पुलिसकर्मी और इंचार्ज ने 108 एम्बुलेंस से उसे सूरत सिविल अस्पताल में इलाज के लिए भेजा।

सेशंस कोर्ट में पेशी के दौरान अचानक गिर पड़ा, अस्पताल ले जाते ही पुलिस को चकमा देकर भाग निकला

इलाज के दौरान आरोपी ने अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में पुलिसकर्मियों की नजर से बचकर बिस्तर से उठते ही भागने में सफलता पाई। अब लोकल क्राइम ब्रांच, खटोदरा पुलिस और वराछा पुलिस की अलग-अलग टीमें उसकी तलाश कर रही हैं। आरोपी चौकबाजार पुलिस स्टेशन में दर्ज पोक्सो रेप केस का अभियुक्त है। चार महीने पहले उसकी जेल कस्टडी हुई थी और वह फिलहाल लाजपोर जेल में कच्चे काम का कैदी था।

मैली विद्या के नाम पर ठगी

अंकलेश्वर में 'भुवाई' ने युवक के सोने के गहने और नकद 4.44 लाख हड़पे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अंकलेश्वर में मैली विद्या के नाम पर एक युवक से 4.44 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। नवा बोरभाठा के बलिया देव फलिया में रहने वाले सब्ज़ी व्यापारी रोहन जयंती वसावा को पेट दर्द की समस्या रहती थी।

रोहन अपनी मां, बहन और मौसी के साथ स्थानीय 'भुवाई' पुष्पा वसावा के पास गया। पुष्पा ने रोहन से कहा कि उसकी सोने की चेन पर किसी ने मैली विद्या कर दी है। विधि-विधान के बहाने उसने रोहन से सोने की चेन ले ली।

सात दिन बाद चेन लौटाने का कहकर, अगले ही दिन उसने दूसरी सोने की चेन और अंगूठी भी ले ली। इतना ही नहीं, पुष्पा ने रोहन से 20 हज़ार नकद लिए और बजाज फाइनेंस कार्ड से फर्नीचर भी खरीद लिया।

जब रोहन ने अपना सामान वापस मांगा तो भुवाई ने उसे झूठे केस में फँसाने की धमकी दी। इस पूरे मामले में रोहन ने अंकलेश्वर बी डिविजन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

न्यूड वीडियो दिखाने के लालच में ठगी

पारडी के युवक से 1 लाख हड़पने वाली जम्मू की महिला गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जम्मू के उधमपुर की 24 वर्षीय मंकाराधा अनिलकुमार भगतनी को पारडी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित महिला ने इंस्टाग्राम पर विज्ञापन डालकर टेलीग्राम लिंक के जरिए न्यूड वीडियो दिखाने का लालच दिया था।

पारडी के एक युवक ने 10 मई 2025 को @monika-babyxx नाम की टेलीग्राम लिंक ओपन की थी। महिला ने विभिन्न पैकेज के नाम पर पैसे मांगे। युवक ने पहले 901 का पैकेज लिया था। उसके बाद सुरक्षा टैक्स, जीएसटी, टिप और रिफंड के बहाने और रकम की मांग की गई।

युवक ने SBI और एक्सिस बैंक से कुल 1,00,399 PI ID **miss.radha\@su-peryes** पर ट्रांसफर किए, लेकिन न तो वीडियो मिला और न ही रिफंड। उल्टा और अधिक पैसे की मांग की गई।

इसके बाद युवक ने पारडी पुलिस से संपर्क किया। PI जी.आर. गढ़वी के नेतृत्व में पुलिस ने QR कोड, सोशल मीडिया ID, बैंक अकाउंट और लोकेशन ट्रेस कर महिला को गिरफ्तार किया।

यह घटना दर्शाती है कि अज्ञात ऑनलाइन लिंक और लालच में आकर किए गए लेन-देन से भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है।

राज्य में 1315 ट्रैफिक-पुलिस की सीधी भर्ती होगी

हाईकोर्ट में स्वतः संज्ञान याचिका की सुनवाई के दौरान सरकार की गारंटी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात राज्य में ट्रैफिक पुलिस की सीधी भर्ती को लेकर अहम खबर सामने आई है। गुजरात हाईकोर्ट द्वारा अहमदाबाद में सड़क ढांचा सुधारने, दुर्घटनाएं कम करने और ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने स्वत: संज्ञान याचिका ली थी, जिस पर आज सुनवाई हुई।

सरकारी वकील ने अदालत को बताया कि राज्य ट्रैफिक शाखा ने 1315 ट्रैफिक कर्मचारियों की आवश्यकता जताई है। आने वाले समय में इन पदों पर सीधी भर्ती की जाएगी और इसकी अधिसूचना जारी होगी। इन 1315 में से 200 ट्रैफिक कॉन्स्टेबल अहमदाबाद को आवंटित किए जाएंगे।

आगामी 15 वर्षों के लिए पुलिस की ज़रूरत को लेकर थर्ड पार्टी विशेषज्ञ से परामर्श लिया जा रहा है। वर्तमान में 11 हजार पदों पर पुलिस भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। हालांकि, कोर्ट ने कहा था कि राज्य की मौजूदा जनसंख्या के हिसाब से पुलिस बल की ज़रूरत को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। इस पर विश्लेषण जरूरी है - अभी ट्रैफिक पुलिस की कितनी आवश्यकता है और भविष्य में कितनी होगी?

साथ ही, कोर्ट ने गृह विभाग के सचिव को प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है और इस मामले की अगली सुनवाई नवंबर में रखी है।

पिछली सुनवाई में कोर्ट ने कहा था कि ट्रैफिक पुलिस के पद बिनहथियारधारी पुलिसकर्मियों से भरे जाते हैं। अब सीधी भर्ती के जरिए ट्रैफिक पुलिस में खाली पदों को भरा जाएगा। वर्तमान भर्ती को अल्प और मध्यम अवधि को ध्यान में रखकर किया जा रहा है।

ट्रैफिक पुलिस के लिए कोई अलग कैडर नहीं है। अगर अलग कैडर बनाया जाए तो पदोन्नति सहित कई मुद्दे खड़े होंगे। इसलिए रोटेशन के आधार पर पुलिसकर्मियों को ट्रैफिक विभाग में तैनात किया जाता है। हाईकोर्ट ने कहा था कि भले ही किसी पुलिसकर्मी को पूरी जिंदगी ट्रैफिक विभाग में न रखा जाए, लेकिन पुलिस भर्ती बोर्ड को रोटेशन को लेकर निर्णय लेना चाहिए।

अहमदाबाद छात्रा हत्या केस

नवसारी में सिंधी समाज ने किया विरोध आरोपी को फांसी की सज़ा देने की मांग

कलेक्टर को सौंपा आवेदन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद के खोखरा स्थित सेवन डे स्कूल में हुई छात्रा की हत्या के मामले में नवसारी में सिंधी समाज ने विरोध प्रदर्शन किया। सिंधी युवा संगठन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवा रैली के रूप में जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे।

संगठन ने जिला उप कलेक्टर को आवेदन पत्र सौंपा। आवेदन में आरोपी को फांसी की सज़ा देने की मांग की गई है। साथ ही, सेवन डे स्कूल की मान्यता रद्द करने की मांग भी उठाई गई। सिंधी समाज के लोगों ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाए।

SEIMER अस्पताल के इमरजेंसी विभाग के बाहर रिक्शा पर 'नो एंट्री'

गर्भवती महिलाओं समेत मरीजों को पैदल चलने की नौबत "सोच-समझकर निर्णय लिया"-अस्पताल के सुपरिटेंडेंट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका संचालित SEIMER अस्पताल में मरीजों के लिए कठिनाई भरा फैसला किया गया है। बड़ी संख्या में गरीब मरीज रिक्शा से अस्पताल पहुंचते हैं, लेकिन अब उन्हें इमरजेंसी विभाग के बाहर ही रोक दिया जा रहा है। इस कारण गंभीर स्थिति वाले मरीजों को भी पैदल चलकर अंदर जाना पड़ रहा है।

सुपरिटेंडेंट डॉक्टर जितेंद्र दर्शन ने कहा कि, च्हमने 10 दिन तक निरीक्षण करने के बाद सोच-समझकर यह निर्णय लिया है।ज् हालांकि इस फैसले से मरीजों और उनके परिजनों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

रिक्शा चालकों को इमरजेंसी गेट के बाहर ही रोक दिया जाता है। नतीजतन गर्भवती महिलाएं, छोटे बच्चों के साथ आए परिजन और चलने-फिरने में असमर्थ मरीजों को वहीं से पैदल जाना पड़ता है। पहले ही दिन से किसी भी रिक्शे को अंदर जाने नहीं दिया गया। पानी भरे इलाके में रिक्शा रोकने के कारण मरीजों और उनके परिवारजनों को पानी में उतरकर अंदर जाना पड़ा।

इमरजेंसी गेट पर रिक्शा रुकने से 108 एंबुलेंस को भी गुजरने में दिक्कत हो रही है। बाहर रिक्शों की भीड़ लग जाती है, जिससे अन्य वाहनों का ट्रैफिक भी बाधित होता है। परबत गांव के 76 वर्षीय सोमनाथ चूनिलाल पांगोटारे, जिनका एक पैर कटा हुआ है, रिक्शा से इलाज कराने पहुंचे थे। उनकी रिक्शा को भी बाहर रोक दिया गया। थोड़ी बहस के बाद उन्हें इमरजेंसी तक जाने दिया गया और फिर व्हीलचेयर से दूसरे माले पर पहुंचाया गया।

सुपरिटेंडेंट डॉक्टर जितेंद्र दर्शन ने कहा कि वीआईपी गेट पर रिक्शा चालकों की भीड़ रहती थी, जिसकी शिकायतें मिल रही थीं। इसलिए 10 दिन तक निरीक्षण के बाद यह कदम उठाया गया। उन्होंने बताया कि मरीजों के लिए इमरजेंसी गेट पर स्ट्रेचर और व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है।

सूरत में महिला रत्नकलाकार की हालत गंभीर, "सिर धड़ से अलग हो गया" के नाम पर वीडियो वायरल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कतारगाम इलाके में स्थित एक छोटे हीरे के कारखाने में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। रत्नकलाकार महिला हीरा घिस रही थी, तभी उसके कंधे पर रखा दुपट्टा मशीन की पट्टी में फंस गया। दुपट्टे के साथ उसके बाल भी खिंच गए और सिर से सारे बाल खोपड़ी की त्वचा समेत अलग हो गए। महिला को तुरंत निजी अस्पताल ले जाया गया।

जानकारी के अनुसार, चौकबाजार इलाके के उदयनगर में रहने वाली 30 वर्षीय महिला परिवार की आर्थिक मदद के लिए कतारगाम के एक छोटे कारखाने में रत्नकलाकार के रूप में काम करती थी। 20 अगस्त की सुबह वह काम पर गई थी। दोपहर करीब 11:30 बजे जब वह हीरा घिसाई की मशीन पर काम कर रही थी, तब हादसा हुआ।

जैसे ही दुपट्टा मशीन में फंसा, महिला भी खिंच गई। सहकर्मियों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन कुछ ही पलों में उसके सिर से सारे बाल खोपड़ी की त्वचा समेत उखड़कर दूर जा गिरे। खोपड़ी से काफी खून बहने लगा।

तुरंत उसे नज़दीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, बाद में गंभीर हालत के चलते उसे लाल दरवाजा स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के दो दिन बाद, तीसरे दिन सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें दावा किया गया कि महिला का सिर धड़ से अलग हो गया। पड़ताल में सामने आया कि महिला जिंदा है और इलाज चल रहा है। साथ ही, कतारगाम पुलिस ने भी इस घटना की जानकारी दर्ज की है।

हीरा घिसाई की मशीन में दुपट्टा फंसने से महिला के सिर के बाल खोपड़ी की त्वचा समेत उखड़ गए